राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,11जनवरी 2021 वर्ष-3, अंक -343 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पार्टी मीटिंग में नीतीश कुमार का तंज

बिहार चुनाव में पता नहीं चला कि कौन साथ है और कौन नहीं

बिहार में मध्यावधि चुनाव को अब राजद उपाध्यक्ष शिवानंद ने भी दी हवा, कहा- अनुमान गलत नहीं

- इसके पहले मंत्रिमंडल गठन में हम इतना विलंब कहां करते थे। श्री तिवारी ने कहा कि एनडीए में जो हालात हैं, उनमें मध्यावधि चुनाव की बात किया जाना कतई गलत नहीं है।

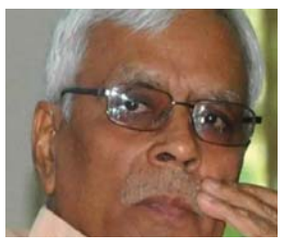

पटना। बिहार में राजद उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने कहा है कि अंदर की बात नीतीश कुमार के मुंह से शायद ही बाहर आती है। उनको जानने वाले इससे अच्छी तरह वाकिफ हैं। कहा कि नीतीशजी ने स्वयं इस बात को सार्वजनिक किया कि मंत्रिमंडल विस्तार के लिए भाजपा की ओर से अब तक नाम नहीं मिला है, इसलिए विस्तार ठहरा हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि इसके पहले मंत्रिमंडल गठन में हम इतना विलंब कहां करते थे। श्री तिवारी ने कहा कि एनडीए में जो हालात हैं, उनमें मध्यावधि चुनाव की बात किया जाना कतई गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार द्वारा सार्वजनिक रूप से इस बात को जाहिर करना दर्शाता है कि इस विलंब की वजह से वे असहज महसूस कर रहे हैं। मौजूदा मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री सहित 14 सदस्य हैं। हर मंत्री के पास कई विभाग हैं। नया होने के कारण उनके पास अनुभव भी कम है। ऐसे में शासन-प्रशासन का काम प्रभावित होना स्वाभाविक है। कहा कि भाजपा के बिहार प्रभारी और दूसरे नेता जिस तरह पहले जदयू अध्यक्ष आरसीपी सिंह और फिर नीतीश कुमार से मिले थे, उससे लग रहा था कि मंत्रिमंडल विस्तार का रास्ता साफ हो गया है। कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार में चिराग पासवान को भी जगह मिलने की चर्चाएं हैं। इन हालात में अब लग रहा है कि एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में जदयू को कम सीटें आने पर टिप्पणी करते हुए कहा कि एनडीए में सबकुछ पांच माह पहले तय होना चाहिए था। लेकिन, कोरोना के कारण समय कम हो गया। इतना कम समय था कि पता नहीं चला कौन साथ दे रहा है, कौन नहीं दे रहा है। शनिवार को जदयू की राज्य परिषद की दो दिवसीय बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के समय शाम में जब पार्टी ऑफिस लौटकर आते थे तभी संदेह पैदा हो गया था।

कहा कि वर्ष 2019 में पार्टी का सदस्यता अभियान चला। बूथस्तर तक कमिटी बनी, ट्रेनिंग दी गई। सबको बुला-बुलाकर हम मिले। लेकिन फरवरी में जब हमने नेताओं की बैठक की तो हमको शक हो गया था। हमने इतना काम किया, पार्टी के साथी जानते थे, लेकिन चीजें नीचे तक नहीं पहुंचीं। 11

मुस्लिम को टिकट दिया। इतनी महिलाओं को टिकट दिया, ऐसा तो किसी ने नहीं किया, लेकिन इसका इंपैक्ट नीचे नहीं गया।

पार्टी और भाजपा के कारण मुख्यमंत्री बनने को हुए तैयार - नीतीश कुमार ने कहा कि जब हमारे लोग कम जीते तो हमारा मन नहीं था मुख्यमंत्री बनने का, लेकिन अपनी पार्टी और बीजेपी के चलते माने। मैंने सबके कहने पर और दबाव देने पर मुख्यमंत्री का पद स्वीकार किया। पर, जबसे सरकार में आए, हम बैठे हुए नहीं हैं। किसी अपराधी को बचाया नहीं जाता। हम दिन रात काम में लगे रहते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि 2015 से भंग कमेटियां जल्द ही गठित होंगी और कार्यकर्ताओं को इनमें जगह दी जाएगी। कहा कि हम चाहते थे कि कमेटियां बनें लेकिन सहयोगी दल नहीं चाहे।

सरकार पांच साल तक चलेगी पूरी मजबूती से काम में जुटिए- मुख्यमंत्री नीतीश ने बिहार विधानसभा चुनाव में पराजित हुए जदयू नेताओं से चुनाव परिणाम भूल पूरी मजबूती से काम में लग जाने को कहा है। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र की सेवा उसी तरह कीजिए जैसे आप चुनाव जीतकर करते। सरकार पूरे पांच साल चलेगी। समाज के हर तबके के बीच जाइए और हर तबके के उत्थान के लिए काम करिए। आने वाले समय में हमलोग पहले से अधिक मजबूत होकर उभरेंगे।

नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोग समाजवादी सोच के लोग हैं। गांधी, जेपी, लोहिया, अंबेडकर और कर्पूरी को मानने वाले लोग हैं। हमलोगों की राजनीति सेवा के लिए है, स्वार्थ के लिए नहीं। जनता की सेवा ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है। हमें जिन्होंने वोट दिया और जिन्होंने नहीं दिया, सबके लिए एक समान काम करना है। उन्होंने सभी पराजित उम्मीदवारों से कहा कि चुनाव परिणाम को भूलकर पूरी मजबूती के साथ काम में लग जाइए।

उन्होंने कहा कि आजकल लोग सोशल मीडिया का उपयोग दुष्प्रचार के लिए करते हैं। तरह-तरह का भ्रम फैलाते हैं। आप उसका उपयोग लोगों के बीच अपनी पॉजिटिव बातों को रखने में करिए। लोगों को, खासकर नई पीढ़ी को सजग करके सही रास्ते पर चलने के

"मैंने सबके कहने पर और दबाव देने पर मुख्यमंत्री का पद स्वीकार किया। पर, जबसे सरकार में आए, हम बैठे हुए नहीं हैं। किसी अपराधी को बचाया नहीं जाता। हम दिन रात काम में लगे रहते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि 2015 से भंग कमेटियां जल्द ही गठित होंगी और कार्यकर्ताओं को इनमें जगह दी जाएगी। कहा कि हम चाहते थे कि कमेटियां बनें लेकिन सहयोगी दल नहीं चाहे।

लिए प्रेरित करिए। कहा कि जो कुछ पाने की लालसा से इस पार्टी में हैं, ये पार्टी उनलोगों के लिए नहीं है। जो निःस्वार्थ भाव से काम करते हैं और दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, उन्हें ज

कोहरे की चादर से ढकी राजधानी, तेज हवाओं के साथ बढ़ती ठंड से कांपेगी दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली में अब बारिश के बाद कोहरे का कहर देखा जा रहा है। रविवार सुबह जब दिल्ली ने आंखे खोली तो सब धुंधला था। कोहरे राजधानी को पूरी तरह ढक दिया।कोहरने के साथ-साथ दिल्ली में ठंड भी बढ़ती दिखाई दे रही है। बीते कुछ दिन भले ही दिल्ली वालों के लिए राहत भरे रहे हों लेकिन अब ठंड फिर से अपना कहर दिखाने जा रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो आज दिल्ली में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे जा सकता है। तापमान में कमी और कोहरे के साथ-साथ राजधानी में तेज हवाए भी देखने को मिलेगी जो ठंड को ज्यादा बढ़ा सकती है। दिल्ली के ज्यदातर हिस्सों में सुबह कोहरे भरी देखी गई। जहांगीर पुरी जैसे इलाकों में धुंध के कारण दृश्यता भी कम हो गई। वहीं तेज हवाओं के चलते राजधानी दिल्ली के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट आएगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिनों के बीच दिल्ली में हवा की रफ्तार 20-25 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रह सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले

दिल्ली के ज्यदातर हिस्सों में सुबह कोहरे भरी देखी गई। जहांगीर पुरी जैसे इलाकों में धुंध के कारण दृश्यता भी कम हो गई। वहीं तेज हवाओं के चलते राजधानी दिल्ली के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट आएगी।

तीन दिनों के बीच हवा की गति में इजाफा होगा। इस दौरान, खासतौर पर सोमवार से बुधवार तक हवा की रफ्तार पच्चीस किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। इससे ठंड में इजाफा होगा और न्यूनतम व अधिकतम तापमान में दो डिग्री तक की कम आ सकती है।

कानपुर में बर्ड फ्लू की दस्तक, चिड़ियाघर अगले आदेश तक बंद

कानपुर। कानपुर चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू की तस्दीक हो गई है। बुधवार को चार पक्षियों की मौत के बाद भेजे गए सैंपल में बर्ड फ्लू संक्रमण पाया गया है। भोपाल की लैब से रिपोर्ट मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। अगले आदेश तक चिड़ियाघर सील कर दिया गया है। देर रात डीएम की आपात बैठक में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। चिड़ियाघर के बाड़ों में रखे गए सभी 932 पक्षियों की जिंदगी दांव पर है। खतरे को देखते हुए इन्हें मारने का आदेश दिया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में कानपुर पहला शहर है, जहां बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरपी मिश्र ने बताया कि भोपाल के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान की लैब ने कानपुर चिड़ियाघर में मरे पक्षियों में बर्ड फ्लू की पुष्टि की है। इसके मद्देनजर वहां के सभी पक्षियों को मारने की विवशता हो सकती है। फिलहाल चिड़ियाघर में कोई भी बाहरी नहीं जाएगा। स्टाफ भी पूरा एहतियात बरतेगा। आसपास रहने वाले लोगों को सावधनी बरतने की सलाह दी गई है।

ऐसे हुई संक्रमण की शुरुआत- चिड़ियाघर में बुधवार को दो जंगली मुर्गों समेत चार पक्षियों की मौत हो गई थी। सैंपल भोपाल

रिसर्च सेंटर भेजे गए थे। अगले ही दिन एहतियातन चिड़ियाघर में बीमारी के लक्षण वाले छह रेड जंगल फाउल मुर्गे (जंगली मुर्गे) मार दिए गए। पक्षी बाड़े भी दर्शकों के लिए बंद कर दिए गए थे। डायरेक्टर सुनील चौधरी ने डॉक्टरों की आपात बैठक बुलाकर बचाव की तैयारियां शुरू करा दी थीं। शनिवार को बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद डीएम आलोक तिवारी ने आपात बैठक बुला ली। इसमें मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, सीएमओ और चिड़ियाघर के अधिकारी भी थे। सभी अस्पतालों को अलर्ट किया गया है। मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और सेनेटाइजेशन जरूरी है। बर्ड फ्लू कोरोना जैसा घातक संक्रमण है। इसकी मृत्यु दर भी अधिक है। कोविड गाइड लाइन का पालन करें और पक्षियों से दूर रहें। - डॉ. अनिल कुमार मिश्रा, सीएमओ

रेड जंगल फाउल की प्रजाति नष्ट

चिड़ियाघर में रेड जंगल फाउल (जंगली मुर्गे) का पूरा कुनबा नष्ट हो गया है। इस प्रजाति के आठ मुर्गे थे। इनमें से दो की बुधवार को मौत हो गई। बाकी बचे छह गुरुवार को मार दिए गए।

यह पक्षी हैं बाड़ों में-चिड़ियाघर के सहायक निदेशक अरविन्द सिंह ने बताया कि जू के 7 बाड़ों में 935 पक्षी है। इसमें चार प्रजातियों के 301 तोते, तीन मकाऊ तोते, 110 बत्तख, चार पटियाला पाउल, 22 पिनटेल, बर्ड एवरी में लगभग 255 पक्षी है।

सीमेंट और स्टील इंडस्ट्रीज पर बरसे नितिन गडकरी, बोले-मोनोपॉली बना रखी है

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी एक सभा में सीमेंट और स्टील इंडस्ट्रीज पर बरस पड़े। उन्होंने कहा कि सीमेंट और स्टील इंडस्ट्री में एक मोनोपॉली है। हर स्टील कंपनी की अपनी आयरल ओर माइन हैं और श्रम और बिजली की लागत में कोई वृद्धि नहीं हुई है लेकिन वे दामों में वृद्धि कर रही हैं। मेरे लिए इसके पीछे का कारण समझना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि सीमेंट कारखाने हालात का फायदा उठा रहे हैं। यह राष्ट्रीय हित में नहीं है। हम अगले 5 वर्षों में 111 लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लागू करने की योजना बना रहे हैं। अगर स्टील और सीमेंट की

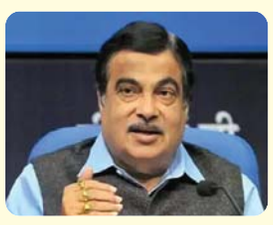

दरें इसी तरह जारी रहीं, तो यह हमारे लिए बहुत मुश्किल होगा। गडकरी बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के पश्चिमी क्षेत्र खंड की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बता दें कि गडकरी ने गुरुवार को कहा था कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय इस साल मार्च तक प्रति दिन 40 किमी सड़क बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का इरादा अगले पांच वर्षों के भीतर 60,000 किलोमीटर राजमार्ग बनाने का है, जिसमें 2,500 किलोमीटर एक्सप्रेस राजमार्ग शामिल होंगे। इस योजना में 9,000 किमी के आर्थिक गलियारे, 2,000 किमी की तटीय और रणनीतिक सीमा सड़कों का निर्माण शामिल है।

सुनामी सी आवाज के बाद समुद्र में जा डूबा था इंडोनेशियाई विमान, अब मिल रहे शवों के चिथड़े

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से उड़ान भरने के बाद क्रैश हुए विमान का मलबा और लोगों के शव अब बचावकर्मियों को मिलने लगे हैं लेकिन कई टुकड़ों में। विमान जहां क्रैश हुआ वहां मौजूद मछुआरों ने अब इस हादसे का पूरा ब्योरा दिया है और बताया है कि जब विमान समुद्र में गिरा तो इतनी भयानक आवाज आई जैसे या तो बम विस्फोट हुआ हो या फिर सुनामी आ गई हो। शनिवार को उड़ान भरते ही श्रीविजया एयर के बोइंग 737 विमान का संपर्क कंट्रोल रूम से टूट गया था। यह विमान समुद्र में जा गिरा था, जिसके बाद यात्रियों के बचने की उम्मीद खत्म हो गई थी। विमान में 12 क्रू सदस्यों सहित कुल 62 लोग सवार थे। शनिवार से जारी शवों की खोजबीन के बाद रविवार तड़के बचावकर्मियों ने समुद्र से शवों के चिथड़े, कपड़ों के टुकड़े और कुछ मलबा निकाला है। सोनार उपकरण के जरिए मिले

श्रीविजिया एयर फ्लाइट 182 से मिले सिग्नल के बाद अधिकारियों को उम्मीद थी कि विमान का मलबा ढूंढ लिया जाएगा। बचावकर्मियों को ये टुकड़े लैंकंग आइलैंड और लाकी आइलैंड के बीच मिले हैं। इंडोनेशियाई विमान को क्रैश हुए कई घंटे बीत चुके हैं लेकिन अभी तक इस हादसे की वजह पता नहीं लगी है।

मछुआरों ने सुनी बम धमाके की आवाज- स्थानीय समयानुसार दोपहर ढाई बजे के आसपास थाउसैंड आइलैंड के पास मछुआरों ने धमाके की आवाज सुनी। सोलिहन नाम के मछुआरे ने समाचार एजेंसी एपी को बताया, 'हमने जोरदार धमाके की आवाज सुनी। पानी से उठी लहरों की वजह से हमें लगा या तो बम फटा है या फिर सुनामी आ गई है। बारिश इतनी हो रही थी कि हमें कुछ साफ नहीं दिख रहा था। हम विमान का मलबा और ईंधन अपने नाव के आसपास देखने के बाद स्तब्ध थे।'

उड़ान भरने के 4 मिनट बाद ही संपर्क टूटा-इंडोनेशियाई परिवहन मंत्री बुदी कार्य सुमादी ने बताया कि विमान ने एक घंटा देरी से उड़ान भरी थी और उड़ान भरने के 4 मिनट बाद ही संपर्क टूट गया। विमान में 62 लोग सवार थे जिनमें 10 बच्चे थे। इन 10 में से 3 बच्चे बहुत छोटे थे। उन्होंने बताया कि विमान ने मौसम खराब होने की वजह से देरी से उड़ान भरी थी न कि किसी तकनीकी खराबी के चलते। बता दें कि इंडोनेशिया में कई बार विमान हादसों ने सैकड़ों लोगों की जान ली है। इससे पहले अक्टूबर 2018 में भी बोइंग 737 मैक्स 8 विमान ने जकार्ता से उड़ान भरी और चंद मिनटों में वह जावा समुद्र में जा गिरा। विमान में सवार सभी 189 लोगों की इस हादसे में मौत हो गई थी।

कश्मीर में पूस भारी तो उत्तराखंड में फाल्गुन सा हुआ मौसम

नई दिल्ली। उत्तर भारत में कुछ दिन लगातार हुई बारिश के बाद फिर ठंड बढ़ने लगी है। वहीं, कश्मीर में जहां पूस का महीना भारी पड़ता दिख रहा है। वहीं, उत्तराखंड में मौसम फाल्गुन सा बना हुआ है। पिछले कुछ दिनों में बारिश के बाद भी उत्तराखंड के देहरादून में अधिकतम तापमान ने दस साल का रिकार्ड तोड़ दिया और पारा 27.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, कुछ दिन हल्की धूप से राहत के बाद शनिवार को कश्मीर में बर्फबारी का सिलसिला फिर शुरू हो गया। इससे सामान्य जनजीवन एक बार फिर अस्तव्यस्त हो गया।

ताजा बर्फबारी के कारण श्रीनगर एयरपोर्ट से 17 उड़ानें रद होने से कश्मीर का हवाई संपर्क देश-दुनिया से कट गया। हालांकि दोपहर बाद शेड्यूल की गई पांच उड़ानों में से तीन उड़ानों का आवागमन हुआ। इस बीच, जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर जगह-जगह फंसे वाहनों को निकाला गया। इससे दिनभर लंबा जाम भी लगा रहा। इधर, जम्मू में भी दिनभर बादल छाए रहे और रात को कोहरे का पहरा रहा। इस बीच, मौसम विभाग ने 20 जनवरी तक मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। उधर, लद्दाख में भी ठंड का प्रकोप जारी है। लेह शहर में रात का न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे माइनस 15.3, कारगिल का माइनस 15.2 और द्रास का

माइनस 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कुछ दिन हल्की धूप से राहत के बाद शनिवार को कश्मीर में बर्फबारी का सिलसिला फिर शुरू हो गया। इससे सामान्य जनजीवन एक बार फिर अस्तव्यस्त हो गया।

हाईवे पर फंसे 1900 ट्रक घाटी के लिए किए रवाना

इस बीच, लगातार दूसरे दिन भी जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर फंसे वाहनों को श्रीनगर की ओर रवाना किया गया, जिनमें अधिकांश आवश्यक खाद्य समाग्री से भरे ट्रक शामिल थे। भारी बर्फबारी के कारण हाईवे पिछले चार दिन बंद रहा था। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि हाईवे पर फंसे लगभग छह हजार वाहनों में से 1900 ट्रक शाम तक घाटी के लिए रवाना कर दिए गए थे, जबकि शुक्रवार शाम को 2200 ट्रक घाटी के लिए रवाना हुए थे।

दून में अधिकतम तापमान ने तोड़ा दस साल का रिकार्ड

उत्तराखंड में मौसम साफ है और चटख धूप से पारा चढ़ने लगा है। दिन के समय धूप अभी से चुभने लगी है। दून में शनिवार को अधिकतम तापमान ने दस साल का रिकार्ड तोड़ दिया। यहां पारा 27.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। अन्य शहरों में भी तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिन प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा।

कम बारिश ने चढ़ाया पारा

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के मुताबिक, तापमान में वृद्धि का कारण प्रदेश में कम बारिश होना है। पहले मानसून सीजन में 20 फीसद कम बारिश दर्ज की गई। उसके बाद अक्टूबर और नवंबर में भी मेघ 50 से 60 फीसद कम बरसे। जबकि, दिसंबर में बारिश न के बराबर हुई। हालांकि, जनवरी में कुछ अच्छी बारिश हुई, लेकिन अभी भूमि में बेहद कम नमी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

किसान नेता जरा संयम दिखाएं

लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सरकार और किसानों का आठवाँ संवाद भी निष्फल रहा। इस संवाद के दौरान ज़रा साफगोई भी हुई और कटुता भी बढ़ी। थोड़ी देर के लिए बातचीत रुक भी गई। सरकार के मंत्रियों और किसान नेताओं ने अपनी-अपनी स्थिति का बयान दो-टूक शब्दों में कर दिया। सरकार ने कह दिया कि वह तीनों कानून वापस नहीं लेगी और किसानों ने कह दिया कि यदि कानून वापस नहीं होंगे तो किसान भी वापस नहीं जाएंगे। धरने पर डटे रहेंगे। बल्कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में एक लाख ट्रेक्टरों की परेड करेंगे। किसानों ने इन कानूनों में संशोधन के लिए एक संयुक्त कमेटी के सरकारी प्रस्ताव को भी रद्द कर दिया है। जितना समय बीतता जा रहा है, हरयाणा और पंजाब के इन किसानों की तकलीफें बढ़ती जा रही हैं। भयंकर ठंड में किसानों की मौत की खबरें रोज आ रही हैं। लेकिन उन्होंने अहिंसक सत्याग्रह का अनुपम उदाहरण पेश किया है। संतोष का विषय है कि इन दोनों प्रांतों के किसान काफी मालदार और दमदार हैं। उन्होंने धरनाधारी किसानों, आढ़तियों और अपने मजदूरों के लिए दिल्ली की सीमा पर क्या-क्या सुविधाएं नहीं जुटाई हैं। यदि उन्हें यहां कुछ माह तक और टिकना पड़ेगा तो वे टिक पाएंगे। वे यदि इसी तरह से शांतिपूर्वक टिक रहते हैं तो टिके रहें। दो-चार माह में तंग आकर वे अपने आप लौट जाएंगे। लेकिन यदि उन्होंने रास्ते रोके, तोड़-फोड़ की और यदि वे हिंसा पर उतारु हो गए तो सरकार को मजबूरन सख्त कार्रवाई करनी पड़ेगी। वैसी हालत में किसानों की जायज़ मांगें भी हवा में उड़ जाएंगी और जनता के बीच उनके प्रति जो थोड़ी-बहुत आत्मीयता दिखाई पड़ रही है, वह भी खत्म हो जाएगी। भारत का मुर्दार प्रतिपक्ष कुछ बड़बड़ाकर चुप हो जाएगा। इस कानून को बनाते वक्त सरकार ने जो लापरवाही बरती थी, वह भी जनता की नज़रों से ओझल हो जाएगी। कुछ किसान नेताओं का यह अहंकार कि वे संसद को भी अपने चरणों में झुकाकर रहेंगे, उन्हें काफी भारी पड़ सकता है। अब उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के आनेवाले फैसले को भी मानने से मना कर दिया है तो इसका अर्थ क्या है ? अदालत में कौन गया है ? सरकार या किसान ? खुद किसान नेता गए हैं। इसके बावजूद किसान नेता सरकार पर तोहमत लगा रहे हैं कि वह अदालत के जरिए किसानों को दबाना चाहती है। मुट्ठी भर किसान नेताओं का यह अहंकार और दुराग्रह देश के अन्नदाताओं को नुकसान पहुंचाए बिना नहीं रहेगा। उन्हें संयम और विवेक से काम लेना होगा। देश के ज्यादातर गरीब और साधनहीन किसान दिल्ली में चल रही इन मालदार किसान नेताओं की इस नौटंकी पर हतप्रभ हैं। देश के 94 प्रतिशत गरीब किसानों की हालत सुधरे और हमारी खेती 4-6 गुना ज्यादा उत्पादन करे, इस लक्ष्य पर सरकार और किसानों को आज गहरा संवाद करने की जरुरत है।

आज के ट्वीट

हिंदी

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं। हिंदी मात्र एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा है। यह गर्व का विषय है कि हमारी भाषा बहुत ही समृद्ध एवं शालीन है और दुनिया में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। -- मु. अशोक गहलोत

डोनाल्ड ट्रंप जो दर्द दे चले

शशि शेखर

कुछ चित्रों में हजारों हजार शब्दों की गाथा छिपी होती है। यहां मैं जिस तस्वीर का उल्लेख करने जा रहा हूं, वह लोकतंत्र प्रेमियों का लंबे समय तक दिल दुखाती रहेगी। इस फोटो में अमेरिकी सीनेट की प्रमुख नैन्सी पेलोसी की कुरसी पर विराजे अराजकतावादी के चेहरे की उद्दंड हंसी, टेबल पर रखा बायां पैर और जमीन की ओर इशारा करता अंगूठा अमेरिकी सत्ता-व्यवस्था का मान-मर्दन करता प्रतीत हो रहा था। वह शख्स अकेला नहीं था। दूसरे ने उप-राष्ट्रपति की कुरसी कब्जा ली थी, जबकि अन्य सैकड़ों ऐसे थे, जो अमेरिकी सत्ता-व्यवस्था को रौंदते हुए इधर-उधर घूम रहे थे। सीनेट के भवन में ये अराजकतावादी उस समय घुसे, जब वहां राष्ट्रपति पद के लिए इलेक्टोरल कॉलेज के मतों की गणना हो रही थी। पिछले ढाई सौ सालों में दुनिया ने ऐसे तमाम दर्दनाक मंजर देखे हैं। फ्रांस और रूस की क्रांतियों के दौरान राजमहल और राजपुरुष पददलित किए गए थे। अफगानिस्तान में राष्ट्रपति मोहम्मद नजीबुल्लाह को मारकर सूली पर लटकाने के बाद कट्टरपंथी नाचते नजर आए, तो अमेरिकी सैनिकों ने सद्दाम हुसैन के राजमहल को तहस-नहस कर डाला था। ये सारे दृश्य प्रचलित व्यवस्था के समापन के प्रतीक थे, लेकिन अमेरिका में तो यह अनर्थ उस राष्ट्रपति ने खुद रचा था, जिसने कभी संविधान की रक्षा की सौगंध खाई थी और जिसकी सत्ता की रह बची अवधि थी- मात्र 13 दिन। ट्रंप की इस बेवकूफी ने अमेरिकी लोकतंत्र के 200 बरस के शानदार इतिहास पर कालिख पोत दी है। अहंकारी सत्तानायकों की सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि उन्हें हुकूमत का मायामृग अपनी मिल्कियत लगने लगता है। इसलिए वे ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका खामियाजा लंबे समय तक जनता को भुगतना होता है। डोनाल्ड ट्रंप प्रचलित परंपराओं को तहस-नहस कर सत्ता में आए थे। 'अमेरिका फर्स्ट' अथवा 'अमेरिका पर पहला हक अमेरिकियों का'जैसे नारे लगाकर उन्होंने अमेरिकी उदारवाद को खाक में मिला दिया। उनके साथ लाखों अमेरिकी भी यह भूल गए कि अमेरिका को अमेरिका उन करोड़ों लोगों ने बनाया है, जो बाहर से आकर यहां बसे। इसमें अफ्रीकावंशियों और यहां के मूल निवासी रेड इंडियन्स का भी योगदान है। बहुलतावादी समन्वयता इस देश का सबसे बड़ा गुण है। अमेरिकी खुद जानते हैं कि इस खासियत के बिना अमेरिका अमेरिका नहीं रह जाएगा। यही वजह है कि अब वहां शर्मसारी का दौर है। बड़ी संख्या में ट्रंप के सहयोगी इस्तीफा दे रहे हैं। इसमें राजनेता और नौकरशाह, दोनों हैं, पर कुछ चुभते सवाल ऐसे हैं, जो लंबे समय तक अमेरिका और पूरी दुनिया को परेशान करते रहेंगे। अब जब ट्रंप का कार्यकाल उंगलियों के पोरों के बराबर भी नहीं रह बचा है, तब उन पर इस्तीफा देने का दबाव बन रहा है। सीनेट प्रमुख का कहना है कि ऐसा न करने पर उनके ऊपर महाभियोग चलाया जाएगा। उनकी हल्की हरकतों के कारण ट्रंप को लोग जोकर तो कहने ही लगे थे, पर चलते-चलते वह खलनायक बन जाएंगे, ऐसा उनके आलोचकों ने भी नहीं सोचा था। उनके प्रति घृणा का यह आलम है कि तमाम रिपब्लिकन सांसद उनके विरोध में हुंकार भर रहे हैं। सोशल मीडिया ने उन पर प्रतिबंध लगा दिया है। सबको डर है कि रहे बचे सत्ता काल में यह शख्स कुछ और अराजक हरकतें न कर दे। यही वजह है कि मांग उठ रही है, उन्हें परमाणु हथियारों से दूर रखा जाए। ह्वाइट हाउस में रहते हुए कोई और राष्ट्रपति इस अधोगति को प्राप्त नहीं हुआ। ट्रंप ने यह जिल्लत खुद आमंत्रित की है। राजनीति के शोधार्थी शताब्दियों तक उन्हें उन्मादी हुक्मरानों की श्रेणी में रखकर आंकेंगे। काश, उनकी ऐसी घेराबंदी कुछ पहले की जा सकती! ऐसा नहीं है कि लोकतंत्र के परीक्षाकाल से सिर्फ अमेरिका दो-चार हो रहा है। जिस दिन वाशिंगटन डीसी में यह उपद्रव हो रहा था, उसी दिन हजारों किलोमीटर दूर तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में बेरोजगारी और बदहाली से हताश छात्र सड़कों पर उतर आए थे। उन्हें तितर-बितर करने के लिए पुलिस को जबरदस्त बल प्रयोग करना पड़ा था। तुर्की में ट्रंप से भी ज्यादा अड़ियल रेजिप तैयिप एर्दोआन सत्ता में हैं। इसके अगले ही दिन, यानी 7 जनवरी को पेरिस में शार्ली एब्दो पर हुए हमले की छठी बरसी मनाई गई। इस हमले ने फैशनेबल और उदार फ्रांस में ऐसे बदलावों की शुरुआत की, जो लोकतंत्रवादियों को नागवार गुजरते हैं। यह वक्त का वह दौर है, जिसमें सभी महाद्वीप जनांदोलनों से वैचारिक उथल-पुथल का शिकार हो गए हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह सोशल मीडिया का दुरुपयोग है। डोनाल्ड ट्रंप ने जब चुनाव लड़ने की व्यूह रचना बनानी शुरू की थी, तभी उन्होंने ऐसे पेशेवरों का सहारा लिया था, जिन्होंने फेसबुक और ट्विटर के जरिए अमेरिकी जनमानस की उथल-पुथल की माप-जोख कर ली थी। इससे उन्हें दिग्भ्रमित करने वाले नारे और वायदे गढ़ने में मदद मिली। आप चाहें, तो कसक के साथ जॉर्ज वाशिंगटन, अब्राहम लिंकन, मोहनदास करमचंद गांधी अथवा नेल्सन मंडेला को याद कर सकते हैं। इन लोगों ने बिना सोशल मीडिया के जनमानस के असंतोष को पढ़ा था, पर उनके रचे गए आंदोलन रचनात्मक थे। यही वजह थी कि वे ऐसे देश-दुनिया का निर्माण कर सके, जो नफरत बोती या उगलती नहीं थी। अब दुर्भाग्य से राजनेता दूर की नहीं सोचते। राजनीति उनके लिए पूर्णकालिक व्यवसाय है और इसीलिए वे एक या दो सत्ता काल में सब कुछ हासिल कर लेना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया को अपना अहम हथियार बना रखा है। जरूरी नहीं है कि इसके जरिए अपने देश में ही नफरत बोई जाए। 'अरब स्प्रिंग'के दस बरस बीत गए। जिन देशों के युवकों को सोशल मीडिया के जरिए उकसाया गया था, वहां सत्तानायकों के चेहरे जरूर बदले, पर हालात भी बदतर हो गए। इसके अलावा जो भी बहुलतावादी देश थे, वहां के नागरिकों में आपसी अविश्वास पैदा करने की सुनियोजित साजिश की गई। कैपिटल हिल की घटना इसी का अंजाम थी। मनाता हूं, यह सिलसिला यहीं रुक जाए, क्योंकि अन्य तमाम देश ऐसी ही घृणा से बजबजा रहे हैं। इनमें वे देश भी शामिल हैं, जिनके सत्तानायकों ने इस घटना की आलोचना की है। समय आ गया है, जब राजनेता इस हादसे से सबक लें, क्योंकि आभासी दुनिया में रची गई कपोल कथाएं कैसा कहर बरपा सकती हैं, इसकी एक नजीर सामने आ चुकी है। यहां यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि अमेरिका में लोकतांत्रिक संस्थाएं अन्य देशों के मुकाबले अभी भी बहुत मजबूत हैं।

वे आज नहीं तो कल, इस दर्द पर काबू पा लेंगी, पर अफ्रीका और एशिया के देशों में अगर ऐसी चिनगारियों को और हवा दी गई, तो वे दावानल में भी घिर सकते हैं। कभी कार्ल मार्क्स ने कहा था कि दुनिया के मजदूरों एक हो। अब समय आ गया है, जब यह कहा जाए कि दुनिया के लोकतंत्रवादियों एक हो जाओ। जब लोकतंत्र लड़खड़ा रहा हो, तब तंत्र को सुधारने का कुछ दायित्व तो लोक का भी बनता है।

ज्ञान गंगा

ईश्वर बिना जीवन

सद्गुरु

दुनिया पर नजर डालिए। क्या सभी ईश्वर में विश्वास करने वाले लोग आनंदित जीवन जीते हैं? नहीं। कुछ भक्त ऐसे हुए जो परमानंद में विभोर रहे, मगर उनकी तादाद मुट्ठी भर है। इतिहास में, एक मीराबाई और एक रामकृष्ण परमहंस हुए, जो आनंद से भरे रहते थे। आजकल ऐसे भक्त देखने को नहीं मिलते जबकि करीब 90 फीसद दुनिया किसी-न-किसी ईश्वर में विश्वास करती है। अगर 90 फीसद लोग वाकई आनंदित हो जाएं, तो मैं रिटायर हो जाऊंगा। मैं वाकई ऐसा दिन देखना चाहूंगा। जब मैं आठ-नौ साल का था, तो मुझे यह देखने की बहुत इच्छा होती थी कि जो लोग मंदिर में ईश्वर से मिलने जाते हैं, उनके साथ क्या होता है। इसलिए मैं जाकर एक बड़े मंदिर के सामने बैठ गया और बाहर आने वाले लोगों को बहुत ध्यान से देखने लगा। मैंने सिर्फ यह पाया कि वे आम तौर पर किसी ऐसी चीज या शख्स के बारे में गॉसिप कर रहे होते थे। भारतीय मंदिरों में कई बार किसी की चप्पलें किसी और के साथ चली जाती हैं। जब लोगों को अपनी चप्पलें नहीं मिलतीं, तो वे सृष्टि और सृष्टा को कोसने लगते। मैंने हमेशा रेस्तरांओं से निकलने वाले लोगों के चेहरों पर मंदिरों और चचरे से निकलने वाले लोगों के मुकाबले अधिक खुशी देखी। कोई जाकर ईश्वर से मिलकर आया और अपने चेहरे पर बिना किसी खुशी के बाहर निकला। किसी ने डोसा या इडली खाई और अधिक खुश होकर बाहर निकला! यह बात समझ नहीं आती, है न? इसकी वजह यह है कि लोगों को ईश्वर का कोई अनुभव नहीं होता, उनके अंदर सिर्फ विश्वास होता है और आपका विश्वास सामाजिक और सांस्कृतिक चीज होती है। अब सवाल है कि 'क्या मैं ईश्वर के बिना बेहतर तरीके से जी सकता हूं?' मुझे नहीं लगता कि ऐसी कोई संभावना है। वह क्या चीज है, जिसे आप ईश्वर कहते हैं? सृष्टि का जो स्रोत है, वही ईश्वर है। क्या आप सृष्टि के स्रोत के बिना जी सकते हैं? सृष्टि का एक स्रोत है, तभी सृष्टि है। क्या आप सृष्टि के स्रोत को छोड़कर अच्छी तरह रह सकते हैं? ऐसी कोई संभावना नहीं है। क्या आप सृष्टि के स्रोत के प्रति जागरूक रहे बिना जी सकते हैं। हां, मगर बहुत खुशहाली से नहीं, लेकिन अगर आप जागरूक और चेतन हैं तथा सृष्टि के स्रोत के साथ सीधे संपर्क में हैं, तो खुशहाली में जीवन जी सकते हैं।

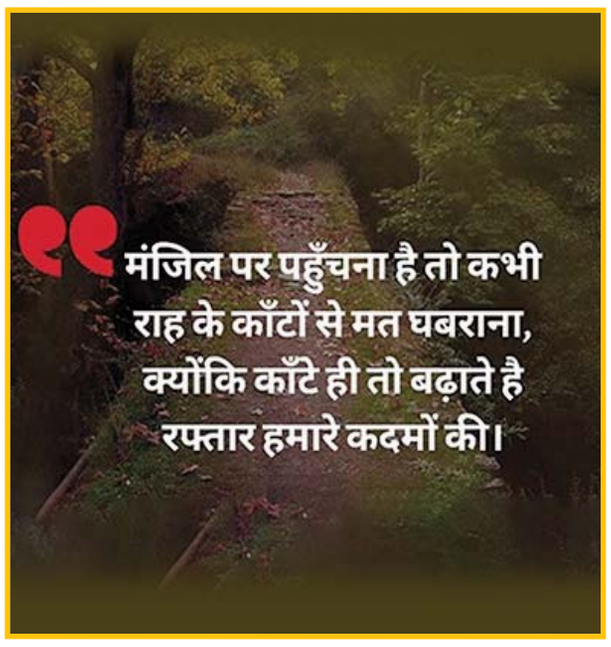

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

हर कहीं है पागल एक से बढ़कर एक

- डॉ. दीपक आचार्य

पागलों को कहीं ढूँढ़ने नहीं जाना पड़ता। छोटे से छोटे गांव से लेकर बड़े से बड़े महानगर और राजधानियों तक किसम-किसम के पागलों का जमावड़ा है। कुछ अपने आपको सार्वजनीन तौर पर सच्चाई और ईमानदारी के साथ पागल स्वीकारते हैं और हुलिया तथा हरकतों से भी पागलपन दर्शाते हुए अपने आपको पागलों के संसार में व्यस्त रखते हैं। लेकिन बहुत बड़ी संख्या उन पागलों की है जिन्हें सरसरी तौर पर देखने से उनके पागलपन का अन्दाज नहीं लग पाता। इनके पागलपन के बारे में या तो घर-परिवार वाले जान सकते हैं या पड़ोसी अथवा उनके साथ काम करने वाले। अन्यथा इनके बाहरी दिखावों और सार्वजनीन व्यवहार से कोई भाँप भी नहीं सकता कि ये अव्वल दर्जे के पागल हैं। आमतौर पर माना जाता है कि पागलपन किसी की बपौती नहीं है। हर कोई इंसान किसी न किसी रूप या अंश में पागल है। कोई कुर्सी के लिए पागल हुआ जा रहा है, कोई पद-प्रतिष्ठा, पुरस्कार, सम्मान के लिए तो बहुत बड़ी संख्या उन लोगों की भी है जो कि पैसों के पीछे पागल हो रहे हैं और हर क्षण निन्यानवे के फेर में रहा करते हैं। तो कोई किसी न किसी बिम्ब के पीछे दीवाना होकर पागलपन दर्शा रहा है। वैसे देखा जाए तो घोषित और दिखने वाले पागलों की बजाय वे पागल ज्यादा खतरनाक हैं जो कि अघोषित हैं और अपने को आंशिक, आधा या पूरा पागल मानने तक के लिए कभी तैयार नहीं होते, चाहे इन्हें कितने ही सबूत दे दिए जाएं। सार्वजनिक और लोकमान्य पागलों के बारे में स्पष्ट मान्यता है कि वे कब क्या कर गुजर सकते हैं इसका अन्दाजा हर कोई लगा सकता है। लेकिन अघोषित पागलों के बारे में कोई कुछ नहीं कह सकता कि कब उनके भीतर का आसुरी भाव और पागलपन जग जाए, कब उन पर सनक सवार हो जाए, कब मदमस्ती में भर कर उन्माद और उत्पात का ज्वर चढ़ने लग जाए। इसलिए इनसे अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे उन्मादी और उत्पाती लोग अपने आपको दुनिया का सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमान और कर्मयोगी स्वीकार करते हैं किन्तु असल में यह उनका आत्म भ्रम है जिसके कारण से ये आत्म मुग्ध होकर अपने ही अपने आभामण्डल के इर्द-गिर्द कछूए बने रहते हैं। समझदार लोगों का यह पक्का अनुभव है कि जो जितना अधिक बड़ा होता है वह बढ़िया हो ही, यह जरूरी नहीं है बल्कि बड़े होने के अनुपात में मद का जोर अधिक रहता है और जिसके दिमाग में मदरूपी अहंकार का घड़ा अधिक भरा होता है वह उतना अधिक विक्षिप्त होता है। यह मदान्ध अवस्था देहत्याग होने तक यों ही अक्षत और अखण्ड बनी रहती है। यही कारण है कि बड़े-बड़े लोगों के साथ रहने और काम करने वाले इन लोगों को खड़ूस, नालायक, नुगरा, पागल, वेण्डा, गधा, रावण, राक्षस, चोर-डकैत-बेईमान, शनि आदि नाम रख दिया करते हैं और हमेशा इस प्रयास में रहते हैं कि कब इनसे मुक्ति प्राप्त हो। ऐसे उन्मादी और उत्पाती तथा अहंकारी लोगों के लिए खूब सारे सज्जन इनकी गति-मुक्ति या स्थानभ्रष्ट अवस्था लाने के लिए भगवान से प्रार्थना करते हैं और प्रसाद-नारियल चढ़ाने की मनौतियाँ मानते हैं। सामान्यतया इंसान अपनी पटरी पर रहता है और मर्यादित जीवन जीता है। लेकिन जीवन की कुछ घटनाएं ऐसी हो जाती हैं जिनकी वजह से उसका दिमागी संतुलन बिगड़ जाता है और उस पर पागलपन सवार हो जाता है जिसे शिष्ट भाषा में उन्माद कहा जाता है। इसीलिए इस किस्म के लोगों द्वारा प्रकट उन्माद के प्रतिशत को देखकर मामूली पागल, आधा पागल, पौन पागल और पूरा पागल कहा जाता है, कुछ को पागलों का सरदार तक भी कह सकते हैं। इन सभी प्रजातियों के लोग हमारे आरा-पास भी विद्यमान हैं। कुछ को हम जानते हैं, कुछ से हमारा पाला नहीं पड़ा होता है इसलिए हम उन्हें बहुत अच्छा आदमी स्वीकारते रहते हैं। जैसे ही कलई खुल जाती है तब हमें अपनी गलती का अहसास होने लगता है। पागलपन किसी की बपौती नहीं है यह बुद्धिहीनों में भी हो सकता है और श्रेष्ठस्तर के बुद्धिजीवियों में भी। इसका सीधा संबंध संवेदनाओं से होता है। जो जितना अधिक संवेदनशील होता है वह हर प्रकार की घटना से शीघ्र और गहरे तक प्रभावित होता है। नासमझों और अनपढ़ों का पागलपन अलग किस्म का होता है और बौद्धिक क्षमताओं वालों का अलग। इनकी प्रकृति और व्यवहार सभी भिन्न होते हैं। समाज और देश को जितना खतरा नासमझ और अशिक्षित उन्मादियों से नहीं है उससे कई गुना ज्यादा खतरा उनसे है जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे और महा-बुद्धिजीवी माने जाते हैं, बड़े ओहदों पर विराजमान हैं और आधुनिक तकनीकों में माहिर हैं। इनकी संवेदनशीलता आम लोगों, समाज और देश के प्रति भले न हो, अपनी स्वार्थपूर्ति और कामों, अपनी जमीन-जायदाद, भोग-विलासी वैभव तथा अपनी प्रतिष्ठा को हमेशा बरकरार रखे रहने के लिए ही जगती है और जब अपेक्षा के अनुरूप सफलता हासिल नहीं हो पाती है तब ये लोग उद्विग्न, अशांत, अस्थिर और उन्मादी हो जाते हैं और यह अवस्था इनके स्वयं के लिए आत्मघाती तो होती ही है, ये उन लोगों के लिए सर्वाधिक खराब क्षण होते हैं जो इनके मातहत या साथ काम करने वाले होते हैं, परिचित या व्यवहारी होते हैं तथा जिन्हें इनके अधीन रहकर काम करना होता है। बहुत प्रतिष्ठित और बड़े ओहदों पर बिराजमान खूब सारे लोग ऐसे हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि नाम बड़े और दर्शन खोटे। खूब सारे लोग इनके आगे-पीछे घूमते हैं, परिक्रमा, जी हूजूरी और जयगान करते हैं, स्तुति-प्रशस्ति करते हुए तारीफों के पुल बाँधते रहते हैं, इन्हें जरूरत से ज्यादा आदर, सम्मान और श्रद्धा देते हुए इतना अधिक चढ़ाये रखते हैं कि कुछ कहा नहीं जा सकता। इसी अप्रत्याशित और उम्मीद से अधिक सम्मान और श्रद्धा पाने वाले ये बड़े लोग अक्सर अपना आपा खो देते हैं। इन लोगों को अपने बारे में हमेशा यह भ्रम बना होता है कि वे महान और लोकप्रिय हैं, अधीश्वर हैं, सब लोग उनकी बातों को मानते हैं। इन्हें यह पता नहीं होता कि लोग उनके किसी गुण या खासियत को लेकर उन्हें नहीं पूछ रहे है। बल्कि भय के मारे आगे-पीछे घूमने के आदी हो गए हैं। भ्रम को बढ़ाने में संवादहीनता भी बहुत बड़े उत्प्रेरक का काम करती है क्योंकि दोनों ही पक्षों के बीच परस्पर आत्मीय और खुली बातचीत का कोई अवसर सामने नहीं आता। बड़े और महान लोग अपने भ्रमों मे जीते रहते हैं और नीचे वाले लोग सही बात कहने में हिचकते हैं। फिर बिल्ली और बिल्लों के गले में घण्टी बांधकर आफत कौन मोल ले। इसलिए भी लोग इन महानों को महान ही रहने देना चाहते हैं, सार्वजनीन तौर पर झूठ-मूठ दिखावे के लिए महानता स्वीकार कर लिया करते हैं। यही सब वजह है जिसके कारण से बड़े-बड़े लोग चिल्लाते, झल्लाते हैं, गुस्सैल होकर क्रोध का सागर उमड़ाते हैं, अनाप-शनाप बकवास करते हुए अपने अधिकारों का भरपूर उपयोग करते हैं और अपने उन्मादी स्वभाव का प्रकटीकरण करते रहते हैं। अहंकार में डूबे हुए और आसमान की ऊँचाइयों को पाने के लिए लपकते रहने वाले ये लोग किसी को कुछ भी कह सकते हैं। इन्हें अपने अधिकारों और शक्तियों को इस्तेमाल करने की खुली छूट हुआ करती है क्योंकि इन पर लगाम कसने का जिम्मा रखने वाले भी इन्हीं जैसे ही होते हैं। इस स्थिति में गधे को गधा और उल्लू को उल्लू या कि उल्लू का पट्ठा कौन कहे। आजकल इन्हीं नालायकों के कारण समाज में असहिष्णुता बढ़ती जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वर्ण ईटीएफ में पिछले साल 6,657 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित

नई दिल्ली: कोरोना वायरस महामारी के कारण छाई आर्थिक मंदी तथा अमेरिकी डॉलर में सुस्ती के चलते 2020 में सुरक्षित निवेश के तौर पर स्वर्ण आधारित एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेशकों का आकर्षण बढ़ने से गोल्ड- ईटीएफ में 6,657 करोड़ रुपए का भारी-भरकम शुद्ध निवेश किया गया। इससे पहले साल 2019 में स्वर्ण ईटीएफ में महज 16 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश देखने को मिला था। हालांकि, 2019 में लगातार छह साल की शुद्ध निकासी के बाद इसमें शुद्ध खरीदारी हुई। इससे पहले वे वैश्विक सुस्ती तथा इक्विटी व डेट बाजारों में उथल-पुथल के चलते लगातार निकासी कर रहे थे। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2020 के अंत तक स्वर्ण कोषों के प्रबंधनाधीन कुल संपत्ति साल भर पहले के 5,768 करोड़ रुपए की तुलना में दो गुना से अधिक बढ़कर 14,174 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। पिछले साल यानी 2020 के दौरान सोना निवेशकों के लिए सुरक्षित निवेश तथा सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले साधनों में से एक बनकर उभरा। इसी कारण निवेशकों ने 2020 में 14 स्वर्ण ईटीएफ में 6,657 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया। पूरे 2020 के दौरान देखें तो मार्च और नवंबर महीने को छोड़ शेष सभी महीने के दौरान स्वर्ण ईटीएफ में शुद्ध निवेश देखा गया। शुद्ध निवेश से तात्पर्य ईटीएफ की बिक्री करने वालों के मुकाबले खरीदार अधिक रहे। मॉर्निंगस्टार इंडिया के शोध प्रबंधक व सहायक निदेशक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के चलते आई आर्थिक मंदी, अमेरिका डॉलर में नरमी तथा अमेरिका-चीन के बीच तनाव जैसे कई कारकों के कारण निवेशक स्वर्ण इटीएफ की ओर आकर्षित हुए।

शीर्ष चार इस्पात कंपनियों का उत्पादन अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 6% बढ़कर करीब 1.5 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली: देश की शीर्ष चार इस्पात कंपनियों का संयुक्त रूप से स्टील उत्पादन चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत बढ़कर 1.495 करोड़ टन रहा। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में जेएसपीएल, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, सेल और टाटा स्टील इंडिया का कुल इस्पात उत्पादन 1.409 करोड़ टन था। कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए गए गए आंकड़े के अनुसार आलोच्य तिमाही में जेएसडब्ल्यू स्टील को छोड़कर कुल बिक्री 2.25 प्रतिशत बढ़कर 1.088 करोड़ टन रहा जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1.064 करोड़ टन थी। इन चार कंपनियों में टाटा स्टील इंडिया का उत्पादन चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में सर्वाधिक रहा। उसका देश में कुल उत्पादन आलोच्य तिमाही में 3 प्रतिशत बढ़कर 46 लाख टन रहा। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में कंपनी का उत्पादन 44.7 लख टन था। टाटा स्टील की भारतीय परिचालन से कुल बिक्री आलोच्य तिमाही में 4 प्रतिशत घटकर 46.6 लाख टन रहा जो एक साल पहले 2019-20 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 48.5 लाख टन था। सार्वजनिक क्षेत्र की भारत इस्पात प्राधिकरण लि. (सेल) का उत्पादन चालू वित्त वर्ष 2020-21 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 9 प्रतिशत बढ़कर 43.7 लाख टन रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 40 लाख टन था। कंपनी की कुल बिक्री आलोच्य तिमाही में 43.2 लाख टन रही जो पिछले वित्त वर्ष 2019-20 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 40.9 लाख टन के मुकाबले करीब 6 प्रतिशत अधिक है। जेएसडब्ल्यू स्टील का उत्पादन आलोच्य अवधि में 2 प्रतिशत बढ़कर 40.8 लाख टन रहा जो एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में 40.2 लाख टन था। कंपनी ने बिक्री का आंकड़ा नहीं दिया। जिंदल स्टील एंड पावर लि. (जेएसपीएल) का उत्पादन 18 प्रतिशत बढ़कर 19 लाख टन रहा जो एक साल पहले 2019-20 की इसी तीसरी तिमाही में 16 लाख टन था। कंपनी की बिक्री आलोच्य तिमाही में 12 प्रतिशत बढ़कर 19 लाख टन रही। जेएसपीएल, जेएसडब्ल्यू स्टील, सेल और टाटा स्टील का संयुक्त रूप से देश में सालाना कुल इस्पात उत्पादन में करीब 45 प्रतिशत का योगदान है।

शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण में 1.37 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि

नई दिल्ली:

देश की 10 सर्वाधिक मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह संयुक्त रूप से 1,37,396.66 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। इसमें सर्वाधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। टीसीएस के अलावा, जिन अन्य कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में तेजी दर्ज की गई, उनमें एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. (एचयूएल), इन्फोसिस, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल शामिल हैं।

दूसरी तरफ, रिलायंस इंडस्ट्रीज लि.(आरआईएल), कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में गिरावट दर्ज की गई। टीसीएस का एमकैप 72,102.07 करोड़ रुपए बढ़कर 11,70,875.36 करोड़ रुपए जबकि इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 21,894.28 करोड़ रुपए बढ़कर 5,58,772.73 करोड़ रुपए पहुंच गया।

एचडीएफसी 15,076.62 करोड़ रुपए के लाभ के साथ 4,77,663.03 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल का एमकैप 13,720.73 करोड़ रुपए बढ़कर 2,94,736.49 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का एमकैप 10,054.48 करोड़ रुपए बढ़कर 3,74,253.88 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक का एमकैप 3,855.36 करोड़ रुपए बढ़कर 7,88,613.86 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। दूसरी तरफ आरआईएल का बाजार मूल्यांकन 34,296.37 करोड़ रुपए घटकर 12,25,445.59 करोड़ रुपए तथा बजाज फाइनेंस का 12,024.63 करोड़ रुपए कम होकर 3,06,156.55 करोड़ रुपए रहा। कोटक महिंद्रा बैंक का एमकैप 4661.65 करोड़ रुपए घटकर 3,90,253.33 करोड़ रुपए पर आ गया। सप्ताह के दौरान बीएसई सेंसेक्स 913.53 अंक यानी 1.90 प्रतिशत मजबूत हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में आरआईएल शीर्ष पर रही।

टोयोटा किर्लोस्कर को उम्मीद, 2021 में बेहतर रहेगी बिक्री

नयी दिल्ली.

वाहन कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) नये उत्पाद पेश किये जाने और आर्थिक पुनरूद्धार के साथ चालू वर्ष में 2020 के मुकाबले बिक्री बेहतर रहने की उम्मीद कर रही है। जापान की वाहन कंपनी टोयोटा और किर्लोस्कर समूह की संयुक्त उद्यम कंपनी की थोक बिक्री अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में छह प्रतिशत बढ़ी। कंपनी की दिसंबर में थोक बिक्री 7,487 इकाई रही, जो एक साल पहले 2019 के इसी माह में 6,544 इकाई थी। टीकेएम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री एवं सेवा) नवीन सोनी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हमारा मानना है कि जनवरी में भी मांग अच्छी रहेगी। हम पहले ही तीन नये उत्पाद पेश कर चुके हैं और इसके साथ हमें यह भरोसा है कि 2021 बिक्री के मामले में 2020 के मुकाबले बेहतर रहेगा।'' उन्होंने कहा कि आर्थिक पुनरूद्धार 2021 में बिक्री की गति को बनाये रखने में मदद कर सकता है। इस साल अर्थव्यवस्था में वी आकार में पुनरूद्धार (तीव्र गिरावट के बाद तेजी से वृद्धि) की उम्मीद है। इससे उद्योग को तेजी से पटरी पर आने में मदद मिलेगी। टीकेएम ने पिछले सप्ताह नया फार्चुनर पेश किया।

राष्ट्रीय रोजगार नीति को दिसंबर तक स्वरूप प्रदान कर सकता है श्रम मंत्रालय

नयी दिल्ली. श्रम और रोजगार मंत्रालय इस साल दिसंबर तक राष्ट्रीय रोजगार नीति (एनईपी) को एक स्वरूप प्रदान कर सकता है। यह चार श्रम संहिताओं को लागू करने और प्रवासी कामगारों समेत चार प्रमुख सर्वेक्षणों को पूरा करने के बाद किये जाने की संभावना है। एनईपी देश में नौकरी के अवसरों में सुधार के लिये मुख्य रूप से कौशल विकास जैसी विभिन्न पहलों, अधिक रोजगार वाले क्षेत्रों में निवेश लाकर और अन्य नीतिगत हस्तक्षेप के जरिये एक व्यापक रोड मैप तैयार करेगा। पिछले साल संसद ने औद्योगिक संबंधों, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक स्वास्थ्य सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों पर तीन श्रम संहिता पारित की थी। परिश्रामिक (मजदूरी) पर संहिता को पिछले साल संसद द्वारा पारित कर दिया गया था और इसके नियम भी तैयार कर लिये गये हैं। हालांकि, इस संहिता के नियमों पर अमल को टाल दिया गया क्योंकि सरकार एक साथ चारों श्रम संहिताओं को लागू करना चाहती है। इन चारों संहिताओं को इस साल एक साथ एक अप्रैल से लागू किये जाने की संभावना है। इन चार श्रम संहिताओं को एक साथ लागू करने से सामाजिक सुरक्षा व देश के 50 करोड़ से अधिक कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के लिये अनुकूल वैधानिक ढांचा उपलब्ध होगा। हालांकि रोजगार सृजन के लिये एक व्यापक एनईपी की जरूरत है, ताकि अर्थव्यवस्था के विभिन्न खंडों की हर श्रेणियों की संभावनाओं का भरपूर दोहन किया जा सके। इसके लिये देश भर के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के ताजा आंकड़ों की जरूरत होगी। इस कमी को श्रम मंत्रालय की इकाई श्रम ब्यूरो द्वारा किये जाने वाले चार अहम सर्वेक्षणों के माध्यम से दूर किया जायेगा।श्रम ब्यूरो के महानिदेशक डीएस नेगी ने पीटीआई-भाषा से बात करते हुए कहा कि ब्यूरो ने इस दिशा में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और मार्च तक चार सर्वेक्षणों का काम शुरू कर दिया जायेगा। नतीजे इस साल अक्टूबर अंत तक सामने आ जाएंगे।

प्रधानमंत्री किसान योजना में 20 लाख अयोग्य लाभार्थियों को 1,364 करोड़ रुपए का भुगतान: आरटीआई

बिजनेस डेस्क:

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 20.48 लाख अयोग्य लाभार्थियों को 1,364 करोड़ रुपए का भुगतान हुआ है। यह जानकारी केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई सूचना के जवाब में दी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की शुरुआत केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में की थी और इसके तहत सीमांत या छोटे किसानों या जिनके पास दो हेक्टेयर से कम कृषि भूमि है, उन्हें साल में तीन बराबर-बराबर किस्तों में कुल छह हजार रुपए की राशि दी जाती है। आरटीआई आवेदन के जवाब में केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने बताया कि अयोग्य लाभार्थियों की दो श्रेणियों की पहचान की गई है जिनमें पहले 'अर्हता पूर्री नहीं करने वाले किसान' हैं जबकि दूसरी श्रेणी 'आयकर भरने वाले किसानों' की है। कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव (सीएचआरआई) से संबद्ध आरटीआई आवेदक वेंकटेश नायक ने ये आंकड़े सरकार से प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा कि अयोग्य लाभार्थियों में आधे से अधिक (55.58 प्रतिशत) आयकरदाता की श्रेणी में हैं।

इन राज्यों में अयोग्य लाभार्थी सबसे ज्यादा

नायक ने कहा, ''बाकी 44.41 प्रतिशत वे किसान हैं जो योजना की अर्हता पूरी नहीं करते हैं।'' उन्होंने बताया कि मीडिया में आई खबर के मुताबिक अयोग्य लाभार्थियों को भुगतान की गई राशि वसूलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नायक ने कहा कि सूचना के अधिकार अधिनियम-2005 के तहत प्राप्त सूचना से पता चलता है कि वर्ष 2019 में शुरू हुई पीएम-किसान योजना के तहत जुलाई 2020 तक अयोग्य लाभार्थियों को 1,364 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया।

उन्होंने कहा, ''सरकार के अपने आंकड़े संकेत देते हैं कि राशि गलत हाथों में गई।'' आरटीआई आवेदक ने बताया कि आंकड़ों के मुताबिक अयोग्य लाभार्थियों की बड़ी संख्या पांच राज्यों- पंजाब, असम, महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तर प्रदेश- में है।

महामारी के बाद की भारत की वृद्धि में शहरों की भूमिका महत्वपूर्ण: डब्ल्यूईएफ अध्ययन

नयी दिल्ली,

कोविड-19 महामारी का शहरों पर ज्यादा असर हुआ है। लेकिन इस संकट के बाद वृद्धि के लिहाज से इनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी क्योंकि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इनका योगदान करीब 70 प्रतिशत है। एक नये अध्ययन में यह कहा गया है जिनेवा स्थित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के इस अध्ययन में यह भी कहा गया है कि हर एक मिनट में 25 से 30 लोग गांवों से शहरों की ओर पलायन करते हैं। डब्ल्यूईएफ ने कहा, ''अनुमान के अनुसार, भारत के जीडीपी का 70 प्रतिशत हिस्सा शहरों से आता है और हर एक मिनट में 25 से 30 लोग गांवों से शहरों की तरफ पलायन करते हैं। हालांकि, भारत के ज्यादातर बड़े शहरों में आर्थिक विषमता काफी ज्यादा है और झुग्गी झोपड़ी बस्तियों के बढ़ने के साथ ही बड़ी संख्या में शहरी गरीब आबादी बढ़ी है।' अध्ययन के अनुसार तमाम शहरी परिवारों का 35 प्रतिशत यानी करीब 2.5 करोड़ परिवार बाजार मूल्य पर मकान लेने की स्थिति में नहीं हैं। यह समय एक नया शहरी प्रतिमान बनाने का है जो शहरों को स्वस्थ, अधिक समावेशी और सुदृढ़ बनाये। 'महामारी के बाद की दुनिया में भारतीय शहर' शीर्षक से जारी डब्ल्यूईएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में शहरी चुनौतियां, महामारी के बाद और अधिक बढ़ गई हैं। यह रिपोर्ट महामारी से मिले सबक को शहरी सुधार के एजेंडे में बदलने के लिए दृष्टिकोण प्रदान करती है। महामारी का प्रभाव विभिन्न आबादी वाले समूह पर गहरा और भिन्न रहा है। वंचित तबकों समेत कम आय वाले प्रवासी श्रमिकों को दोहरा झटका लगा। एक तरफ उनकी आय प्रभावित हुई जबकि दूसरी तरफ सामाजिक सुरक्षा का दायरा कमजोर हुआ। साथ ही देश के शहरी इलाकों में महामारी के कारण सार्वजनिक और निजी जीवन में स्त्री-पुरूष असमानता भी बढ़ी है। यह रिपोर्ट मुंबई स्थित आईडीएफसी संस्थान के साथ मिलकर तैयार की गयी है। इसमें प्रमुख वैश्विक और भारतीय शहरी विशेषज्ञों के विचारों को शामिल किया गया है। ये विशेषज्ञ नियोजन, आवास, परिवहन, पर्यावरण, सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं। रिपार्ट में विभिन्न जानकारियों, आंकड़ों के महत्व को भी रेखांकित किया गया है। इसमें कहा गया है कि यह शहरों को संकट के दौरान आपात परिचालनों के प्रबंधन और उसे बनाये रखने में मदद कर सकता है। डब्ल्यूईएफ ने कहा, ''हालांकि, आंकड़ा अकेले सभी समस्या का हल नहीं है। शहरों की क्षमता का पूर्ण रूप से उपयोग करने के लिए सशक्त और सक्षम राजकाज, शहरी अर्थव्यवस्थाओं को गति देने के लिये परिवहन और बुनियादी ढांचे में निवेश और पुराने नियोजन मानदंडों तथा नियमों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है।

इसमें सिफारिशों के तहत कहा गया है कि पुराने शहरी नियोजन नियमन पर पुनर्विचार की जरूरत है जो शहरों को बेहतर, परिवहन अनुकूल और हरित बनाएगा। इसके अलावा, इसमें कम लागत में सस्ते मकान बनाने को लेकर आपूर्ति संबंधी बाधाओं के समाधान का सुझाव दिया गया है। साथ ही श्रमिकों की गतिशीलता के लिये किराया मकान के बाजार को प्रोत्साहित करने की सिफारिश की गयी है।इसके अलावा अध्ययन में परिवहन समाधान में निवेश करने और बेहतर पर्यावरण के लिये कार्यों को प्राथमिकता देने का भी सुझाव दिया गया है। विश्व आर्थिक मंच की कार्यकारी समिति के सदस्य और भारत और दक्षिण एशिया के प्रमुख विराज मेहता ने कहा, ''बेहतर रूप से तैयार और संचालित शहर एक गतिशील केंद्र बन सकते हैं। ये शहरें नवप्रवर्तन को गति देंगे, आर्थिक उत्पादकता को बढ़ाएंगे तथा नागरिकों को बेहतर जीवन उपलब्ध करा पाएंगे।

महामारी शहरी चुनौतियों के समाधान और सकारात्मक दीर्घकालीन बदलाव के लिये एक अवसर है।''

प्रमुख बंदरगाहों पर माल यातायात लगातार नौवें महीने गिरावट, अप्रैल-दिसंबर में 9प्रतिशत कमी

नई दिल्ली:

कोविड-19 महामारी से प्रभावित देश के प्रमुख 12 बड़े बंदरगाहों पर माल यातयात में लगातार नौवें महीने दिसंबर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई और यह 47.8 करोड़ टन रहा। बंदरगाहों के शीर्ष निकाय इंडियन पोर्ट एसोसएिशन (आईपीए) ने यह जानकरी दी। केंद्र सरकार के अधीन आने वाले 12 प्रमुख बंदरगाहों पर माल यातायात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान 8.80 प्रतिशत घटकर 47.775 करोड़ टन रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 52.384 करोड़ टन था। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में कहा था कि 12 बड़े बंदरगाहों पर माल (कार्गो) यातायात मार्च के बाद से उल्लेखनीय रूप से कम हुआ है। इसका कारण कोविड-19 महामारी का प्रतिकूल प्रभाव है। मुरमुगांव पत्तन न्यास को छोड़कर सभी बंदरगाहों पर माल परिवहन घटा है। मुरमुगांव पत्तन न्यास पर माल रखरखाव 23.28 प्रतिशत बढ़कर 1.453 करोड़ टन रह। कामराज बंदरगाह (एन्नोर) पर माल की आवाजाही अप्रैल-दिसंबर, 2020 के दौरान 26.60 प्रतिशत घटकर 1.719 करोड़ टन रही। जबकि मुंबई, चेन्नई और कोचीन बंदरगाहों पर इसमें 14 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई। जेएनपीटी और वीओ चिदंबरनार पर माल के प्रबंधन में 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। दीदनदयाल बंदरगाह पर माल प्रबंधन 8.70 प्रतिशत घटा जबकि न्यू मैंगलोर पर इसमें 6.56 प्रतिशत की कमी आई। पारादीप बंदरगाह पर 1.41 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। कोविड-19 महामारी के कारण कंटेनरों, कोयला और पीओए (पेट्रोलियम, तेल और ल्यूब्रिकेंट्स) समेत अन्य जिंसों की मात्रा में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई।

विदेशों के ऊंचे भाव से तेल तिलहन बाजार में मजबूती, सरसों, सोयाबीन 13,000 रुपये क्विंटल के दायरे में

नयी दिल्ली,

दिल्ली तेल तिलहन बाजार में गत सप्ताह विदेशों में ऊंचे भाव बोले जाने और सोयाबीन तेल रहित खल और मूंगफली तेल की निर्यात मांग निकलने से भाव मजबूती में रहे। आवक कम रहने से सरसों तेल मिल डिलीवरी 13,000 रुपये पर मजबूती में टिका रहा जबकि विदेशों के ऊंचे भाव से सोयाबीन तेल मिल डिलीवरी भी 12,900 रुपये क्विंटल के दायरे में बोला गया। बाजार सूत्रें का कहना है कि विदेशों में सोयाबीन तेल रहित खल (डीओसी) की अच्छी मांग है। विदेशों में भाव ऊंचे चलने से भारतीय डीओसी को भी समर्थन मिल रहा हे। बाजार की स्थिति को देखते हुये किसान भी ऊंचे भाव पर ही माल निकाल रहे हैं।

विदेशों में सोयाबीन डीओसी का भाव 520 डालर प्रति टन बोला जा रहा है जो कि 3,700 रुपये क्विंटल तक बैठती है। विदेशों की मजबूती पाकर देशी तेलों में भी भाव ऊंचे बने रहे। हालांकि, जानकारों का कहना है कि कुछ मामलों में भाव काफी बढ़ा चढ़ाकर बोले जा रहे हैं। सरसों मिल डिलीवरी तेल दादरी सप्ताहांत 13,000 रुपये क्विंटल पर बोली गई। इस लिहाज से कच्ची घानी सरसों तेल थोक में जीएसटी सहित 137 रुपये किलो बैठता है। लीटर में यह भाव 124 रुपये तक बैठता है। इसमें तमाम खर्चे मार्जिन आदि जोड़ने के बाद बाजार में यह 140- 145 रुपये लीटर तक बिक सकता है, लेकिन कुछ मामलों में 170- 180 रुपये लीटर तक भाव बोला जा रहा है जो कि बाजार की स्थिति को ध्यान में रखते हुये ठीक नहीं है। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिये।

कच्चे पॉम तेल का भाव भी एक सप्ताह पहले के मुकाबले 130 रुपये क्विंटल बढ़ गया। विदेशों में इसका भाव 400 रुपये क्विंटल तक बढा है। कच्चा पॉम एक्स कांडला गत सप्ताहांत 9,980 रुपये क्विंटल रहा जबकि एक सप्ताह पहले भाव 9,850 रुपये तक बोला गया था। मूंगफली तेल मिल डिलीवरी गत सपताहांत 14,000 रुपये क्विंटल पर मजबूती में रहा। साबुत मूंगफली की मांग अधिक रहने और मूंगफली तेल की निर्यात मांग जारी रहने से किसानों से नेफेड को भी मूंगफली की कम बिक्री की। यही स्थिति सरसों में भी बनी है। किसान केवल ऊंचे भाव पर ही माल निकाल रहे हैं।

चीन में अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले पुनरूद्धार तेज: आईएमएफ

वाशिंगटन:

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने कहा है कि ज्यादातर बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले चीन में पुनरूद्धार तेजी से हो रहा है लेकिन यह अभी भी असंतुलित है और इसके नीचे जाने का जोखिम बना हुआ है। मुद्राकोष ने 2021 में दुनिया की इस दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में 8 प्रतिशत वृद्धि दर का अनुमान जताया है। आईएमएफ के चीन के लिए मिशन प्रमुख और सहायक निदेशक (एशिया और प्रशांत विभाग) हेल्गे बर्गर ने कहा कि चीन में पुनरूद्धार को लेकर चिंता का कारण उसका संतुलित नहीं होना है। चीन से जुड़ी एक रिपोर्ट के प्रकाशन के मौके पर उन्होंने शनिवार को 'कांफ्रेन्स कॉल' के दौरान संवाददाताओं से कहा कि पुनरूद्धार अभी भी सार्वजनिक समर्थन पर आश्रित है। हाल में निजी निवेश बढ़ा है लेकिन खपत कम बनी हुई है। वृद्धि दर और खपत हाल में ऊंची रही है, लेकिन खपत की प्रवृत्ति संकट पूर्व स्थिति की तुलना में अभी भी कम है।बर्गर ने कहा, ''चीन में अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले तेजी से पुनरूद्धार हो रहा है लेकिन पुनरूद्धार असंतुलित है और इसके नीचे जाने का जोखिम बना हुआ है। हमारा अनुमान है कि 2020 में वृद्धि दर करीब 2 प्रतिशत और 2021 में 8 प्रतिशत होगी। दिसंबर का आंकड़ा अच्छा रहा, ऐसे में कुल आंकड़ा ऊपर जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि लेकिन इसके नीचे जाने का जोखिम ज्यादा है।

घरेलू स्तर पर महामारी का जोखिम अभी भी बना हुआ है। साथ ही वैश्विक परिवेश और अन्य देशों के साथ उसके आर्थिक संबंध भी चीन के लिए थोड़े मुश्किल बने हुए हैं।'

गैस आधारित अर्थव्यवस्था के लिये प्राकृतिक गैस को जीएसटी के दायरे में लाने की जरूरत: उद्योग

नयी दिल्ली,

उद्योग ने कहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गैस आधारित अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण को हकीकत रूप देने और सकल ऊर्जा संसाधनों में पर्यावरण अनुकूल ईंधन की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिये सरकार को प्राकृतिक गैस को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाना चाहिए। प्राकृतिक गैस फिलहाल जीएसटी के दायरे से बाहर है और इस पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क, राज्य वैट (मूल्य वर्धित कर), केंद्रीय बिक्री कर लागू है। फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (एफआईपीआई) ने कहा कि प्राकृतिक गैस को जीएसटी के दायरे में नहीं लाने से इसकी कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही पहले से चली आ रही कर व्यवस्था का असर प्राकृतिक गैस उद्योग पर पड़ रहा है। वित्त मंत्रालय को बजट से पहले सौंपे गये ज्ञापन में एफआईपीआई ने कहा कि विभिन्न राज्यों में प्राकृतिक गैस पर वैट काफी ऊंचा है। उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश में यह 14.5 प्रतिशत, गुजरात में 15 प्रतिशत और मध्य प्रदेश में 14 प्रतिशत है। इसमें कहा गया है, ''चूंकि गैस आधारित उद्योग को वैट पर टैक्स क्रेडिट का लाभ नहीं मिलता, ऐसे में संबंधित औद्योगिक ग्राहकों की उत्पादन लागत बढ़ती है और अर्थव्यवस्था पर इसका स्फीतिक प्रभाव पड़ता है।'' प्राकृतिक गैस को जीएसटी के दायरे में लाने का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, ईंधन के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा और विभिन्न प्रकार के करों के कारण उत्पन्न समस्या नहीं होगी। प्रधानमंत्री ने कुल ऊर्जा में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी 2030 तक मौजूदा 6.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। प्राकृतिक गैस का उपयोग बढ़ने से ईंधन लागत कम होगी। साथ ही कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी जिससे देश को सीओपी (कांफ्रेन्स ऑफ पार्टीज)-21 प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। एफआईपीआई ने प्राकृतिक गैस के पाइपलाइन के जरिये परिवहन सेवा पर भी जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने की मांग की है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ला लीगा : बार्सिलोना ने ग्रेनाडा को हराया

ग्रेनाडा। लियोनेल मेसी और एंटोनियो ग्रिजमैन के दो-दो गोल की मदद से स्पेनिश क्लब बार्सिलोना ने ला लीगा के मुकाबले में ग्रेनाडा को 4-0 से हरा दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, बार्सिलोना लीग में पिछले आठ मैचों से अजेय चल रही है। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में बार्सिलोना के लिए ग्रिजमैन ने 12वें और 63वें जबकि मेसी ने 35वें और 42वें मिनट में गोल किए। मेसी के अब ला लीगा में इस सीजन में 11 गोल हो गए हैं और वह सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में टॉप पर पहुंच गए हैं। मैच के 78वें मिनट में ग्रेनाडा के जीसस वालेजो को रेड कार्ड दिखाया गया और फिर ग्रेनाडा को अपने 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेल जारी रखना पड़ा। अगस्त 2019 में बार्सिलोना से जुड़ने के बाद से ग्रिजमैन ने पहली बार लीग में बार्सिलोना के लिए लगातार दो गोल किए हैं। इस जीत के बाद बार्सिलोना 18 मैचों में 34 अंकों के साथ तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गई है।

सिडनी टेस्ट:

भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती, जीत के लिए 309 रनों की दरकार

सिडनी।

भारत ने यहां सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया द्वारा रखे गए 407 रनों के लक्ष्य के जवाब में चौथे दिन रविवार का खेल खत्म होने तक दो विकेट खोकर 98 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम अभी भी लक्ष्य से 309 रन दूर है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 338 रन बनाए थे। उसने भारत को पहली पारी में 244 रनों पर समेट दूसरी पारी में 94 रनों की बढ़त के साथ शुरूआत की थी। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी छह विकेट के नुकसान पर 312 रनों पर घोषित कर भारत को 407 रनों का विशाल लक्ष्य दिया। पहली पारी में भारत को अच्छी शुरुआत मिली थी और इस पारी में भी शुभमन गिल और रोहित शर्मा ने यह सिलसिला कायम रखा। दोनों ने पहले विकेट के लिए 71 रन जोड़े। जोश हेजलवुड की गेंद पर गिल विकेटकीपर टिम पेन को कैच दे बैठे। गिल ने 64 गेंदों पर 31 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके भी मारे। रोहित ने नाथन लॉयन की गेंद पर चौका मार कर अपना अर्धशतक पूरा किया। लेकिन अगले ही ओवर में वह कमिंस के जाल में फंस गए। कमिंस ने रोहित को बाउंसर फेंकी और फाइन लेग पर मिशेल स्टार्क ने उनका कैच पकड़ा। रोहित ने 98 गेंदें खेलते हुए पांच चौके और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाए। इसके बाद पुजारा और अजिंक्य रहाणे ने दिन का खेल खत्म होने तक भारत को तीसरा झटका नहीं लगने दिया। पुजारा 9 और कप्तान रहाणे 4 रन बनाकर खेल रहे हैं। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत दो विकेट के नुकसान पर 103 रनों के साथ की थी। मेजबान टीम के लिए मार्नस लाबुशैन ने 73, स्टीव स्मिथ ने 81 और कैमरून ग्रीन ने 84 रनों की पारियां खेलीं। कप्तान टिम पेन 39 रनों पर नाबाद रहे। उन्होंने ग्रीन के साथ 104 रनों की साझेदारी की। ग्रीन को जसप्रीत बुमराह ने आउट किया और इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पारी घोषित कर दी। पहले सत्र में भारत ने लाबुशैन और मैथ्यू वेड (4) के विकेट निकाले। दोनों विकेट अपना पहला टेस्ट खेल रहे नवदीप सैनी ने लिए। दूसरे सत्र में पहली पारी में शानदार शतक लगाने वाले दिग्गज स्मिथ और ग्रीन आउट हुए। तीसरे दिन लाबुशैन 47 और स्मिथ 29 रनों पर नाबाद लौटे थे। मेजबानों को पहली पारी के आधार पर 94 रनों की बढ़त मिली थी, इस लिहाज से तीसरे दिन स्टम्प्स तक उनकी कुल बढ़त 197 रनों की हो गई थी। चौथे दिन स्मिथ और लाबुशैन ने सम्भलकर खेलना शुरू किया। पहली पारी में 91 रन बनाने वाले लाबुशैन ने अपना 10वां अर्धशतक पूरा किया। इसके लिए उन्होंने 82 गेंदों का सामना किया और छह चौके लगाए। वह जितनी तेजी से रन बना रहे थे स्मिथ उतना ही सम्भलकर खेल रहे थे। लाबुशैन हालांकि 138 के कुल योग पर सैनी की गेंद पर विकेट के पीछे लपक लिए गए। अपनी 118 गेंदों की पारी में लाबुशैन ने नौ चौके लगाए। इसके बाद स्मिथ का साथ देने आए वेड लेकिन सैनी ने उन्हें भी पैर नहीं जमाने दिया और चार के निजी योग पर साहा के हाथों कैच कराकर 148 के कुल योग पर मेजबान टीम को चौथा झटका दिया। स्मिथ का साथ देने आए ऑलराउंडर ग्रीन ने सम्भलकर खेलते हुए अपना विकेट बचाए रखा और आस्ट्रेलियाई टीम ने चार विकेट पर 182 रन बनाकर कुल 276 रनों की लीड के साथ लंच ब्रेक लिया। लंच के समय स्मिथ 55 और ग्रीन 20 रनों पर नाबाद थे। लंच के बाद स्मिथ ने संभलकर खेलते हुए ग्रीन के साथ 50 रनों की साझेदारी को पार किया लेकिन 208 के कुल योग पर रविचंद्रन अश्विन द्वारा पगबाधा आउट कर दिए गए। स्मिथ ने 167 गेंदों का सामना कर 8 चौके और एक छक्का लगाया। स्मिथ के जाने के बाद दूसरे सत्र की समाप्ति तक ग्रीन और पेन ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया लेकिन जसप्रीत बुमराह द्वारा फेंके गए पारी के 87वें ओवर की अंतिम गेंद पर ग्रीन आउट हो गए।

एससीजी में नस्लीय विवाद पर बोले लक्ष्मण, फालतू चीज बर्दाश्त नहीं

सिडनी। भारत के पूर्व क्रिकेटर वीवीएस. लक्ष्मण ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर भारतीय खिलाड़ियों पर दर्शकों द्वारा की गई नस्लीय टिप्पणियों पर नराजगी जताई है। भारतीय टीम ने रविवार को एक बार फिर इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। मैच के चौथे दिन भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने शिकायत की जिसके बाद मैच रोका गया। अंपायरों और सुरक्षा अधिकारियों ने मिलकर फैसला लिया और दर्शक दीर्घा में बैठे छह लोगों को मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया। लक्ष्मण ने ट्वीट किया, एससीजी में जो हुआ वो काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। यह फालतू चीज बर्दाश्त नहीं। मैदान पर खिलाड़ी को गाली देने का मतलब आज तक समझ नहीं आया। अगर आप यहां मैच देखने नहीं आए हैं और सम्मानजनक व्यवहार नहीं कर सकते तो कृपया माहौल खराब करने नहीं आइए। यह मामला आस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के 86वें ओवर का है। सिराज सीमारेखा पर फील्डिंग कर रहे थे। तभी वह कप्तान अजिंक्य रहाणे के पास गए और इस मामले को उठाते हुए कहा कि कुछ दर्शक उन पर अभ्रद भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। इसके बाद रहाणे स्कावयर लेग अंपायर पॉल राइफल के पास गए और शिकायत की। खिलाड़ी मैदान पर घेरा बनाकर खड़े हो गए और फिर सुरक्षा अधिकारियों ने स्टैंड्स में जाकर छह आस्ट्रेलियाई प्रशंसकों को वहां से हटाया। इससे पहले शनिवार को भी भारतीय खिलाड़ियों को नस्लीय टिप्पणियों का सामना करना पड़ा था। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) की इंटिग्रिटी यूनिट के मुखिया सीन कैरोल ने कहा है कि जिन लोगों ने बुमराह और सिराज पर नस्लीय टिप्पणी की है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने कैरोल के हवाले से लिखा है, क्रिकेट आस्ट्रेलिया इस खराब व्यवहार की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करती है। अगर आप नस्लीय टिप्पणी करते हैं तो आपका आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में स्वागत नहीं हैं। उन्होंने कहा, सीए शनिवार को एससीजी पर हुए मामले में आईसीसी की जांच का इंतजार कर रही है। एक बार जब वह लोग पहचान लिए जाएंगे तो सीए उनके खिलाफ सख्त कदम उठाएगी।

सैयद मुश्ताक अली - कर्नाटक ने जम्मू एवं कश्मीर को 43 रनों से हराया

बेंगलुरू।

कर्नाटक ने यहां के केएससीए क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में ग्रुप-ए के मैच में जम्मू एवं कश्मीर को 43 रनों से हरा दिया। इस मैच में गेंदबाजों का दबदबा रहा। जम्मू एवं कश्मीर के गेंदबाजों ने पहले बल्लेबाजी करने वाली कर्नाटक को 20 ओवरों में पांच विकेट खोकर 150 रनों तक सीमित कर दिया। कर्नाटक के गेंदबाजों ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए जम्मू एवं कश्मीर को 18.4 ओवरों में 107 रनों पर समेट दिया। कर्नाटक के लिए कृष्णा श्रीजीत ने नाबाद 48 रन बनाए जिसके लिए उन्होंने 31 गेंदों का सामना करते हुए एक चौका और तीन छक्के लगाए। अनिरुद्ध जोशी ने 29 और कप्तान करुण नायर ने 27 रन बनाए। जम्मू एवं कश्मीर के लिए परवेज रसूल और आकिब नबी ने दो-दो विकेट लिए। आबिद मुश्ताक ने एक विकेट लिया। जम्मू एवं कश्मीर काफी प्रयासों के बाद भी लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई। अब्दुल समद ने उसके लिए सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। शुभम पुंडीर ने 20, अहमद बादे ने 18, कामरान इकबाल ने 12 रन बनाए। इन लोगों के अलावा कोई और बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। कर्नाटक के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन विकेट लिए। अभिमन्यू मिथुन, जगदीशन सुचित, कृष्णाप्पा गौतम ने दो-दो विकेट लिए। रोनित मोरे ने एक-एक विकेट लिए।

आईएसएल-7

मुंबई और एटीकेएमबी में होगी श्रेष्टता की जंग

फातोर्दा (गोवा)।

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में सोमवार को फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मौजूदा चैम्पियन एटीके मोहन बागान का सामना सीजन की सबसे मजबूत टीमों में से एक और टेबल टॉपर मुंबई सिटी एफसी से होगा।

शीर्ष दो टीमों की भिड़ंत सीजन के दूसरे हाफ के लिए टोन सेट कर सकती है। शीर्ष स्थान के लिए होने वाले इस मुकाबले से एशियाई चैंपियंस लीग क्वालीफिकेशन का रास्ता भी साफ हो सकता है, जोकि प्लेआफ से पहले ही टीमों के लिए प्रोत्साहन का काम करेगा। अब तक 16 गोल दाग चुकी मुंबई सिटी के पास लीग में सबसे अच्छा आक्रमण है और गोल कनवर्जन रेट भी पर गोल 15.84 प्रतिशत है। टीम ने पिछले आठ मैचों में गोल किए हैं। एटीकेएमबी के पास सबसे अच्छा डिफेंस है, जिसमें नौ मैच में उसके पास 7 क्लीन शीट है और अभी तक इस सीजन में ओपन प्ले से उसने एक भी गोल नहीं खाया है। आंकड़ों से साफ है कि यह मुकाबला अटैकिंग बनाम डिफेंस के बीच होने वाला है। एटीकेएमबी के कोच एंटोनिया हबास ने कहा, मैं नहीं समझता कि मुंबई केवल आक्रमण वाली टीम है। उनके पास बेहतर काउंटर अटैक भी है।

उनकी टीम को रोकना मुश्किल है क्योंकि वो हमेशा फॉरवर्ड खेलती है। लेकिन मैं नहीं समझता हूं कि यह मुकाबला अटैकिंग बनाम डिफेंस के बीच होने वाला है क्योंकि फुटबाल आक्रमण और डिफेंडिंग दोनों का है। उन्होंने कहा, एक मैच का महत्व उस समय पर निर्भर करता है। अब यह पहली और दूसरी टीमों के बीच का मैच है। हो सकता है कि दो या तीन सप्ताह बाद मैच का उतना महत्व न हो, लेकिन विचार उसी तरह से खेलना है।

पहले दिन की हार के बाद मुंबई सिटी के कोच सर्जियो लोबेरा ने अपनी टीम को अब तक अजेय रखा है। टीम को अब एटीकेएमबी की असली चुनौती का सामना करना है, जोकि पिछले पांच मैचों से अजेय है। लोबेरा ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक महत्वपूर्ण नहीं बल्कि अति महत्वपूर्ण मैच होने वाला है। अभी आधा समय ही हुआ है और इस प्रतियोगिता में कुछ भी संभव है। कुछ भी कम समय में बदल सकता है। अब सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम अपना ध्यान केंद्रित रखें और अपने खेल में सुधार करें। मुंबई के लिए इस मैच में अहमद जाहोउ नहीं खेल पाएंगे, जिन्हें पिछले मैच में सीजन में दूसरी बार रेड कार्ड दिखाया गया। उन्होंने कहा, जाहोउ हमारे लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है लेकिन मेरे पास बहुत अच्छी टीम है और इस बारे में कोई बहाना नहीं हो सकता है। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण टीम वर्क है। यह व्यक्तित्व के बारे में नहीं है। हम अच्छे खिलाड़ी हैं लेकिन आपको टीम के रूप में काम करने की जरूरत है।

लोबेरा ने कहा, जब आप एक मैच खत्म करते हैं, तो अगला सबसे महत्वपूर्ण मैच होता है। कल के लिए स्थिति समान है। यह मुश्किल होने वाला है क्योंकि हम एक अच्छी टीम के खिलाफ खेलने वाले हैं। एटीके मोहन बागान अच्छा काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सैयद मुश्ताक अली : ईशान, विवेक ने दिलाई बंगाल को जीत

कोलकाता। ईशान पोरेल की शानदार गेंदबाजी और विवेक सिंह की अर्धशतकीय पारी के दम पर बंगाल ने टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की शुरुआत जीत के साथ की है। बंगाल ने जाधवपुर यूनिवर्सिट कैम्पस में खेले गए ग्रुप बी के मैच में ओडिशा को नौ विकेट से हरा दिया। ओडिशा ने पहले बल्लेबाजी की। पोरेल ने चार, आकशदीप और मुकेश कुमार ने दो विकेट लिए । इनके अलावा शाहबाज अहमद ने एक विकेट लेकर ओडिशा को 113 रनों पर ढेर कर दिया। ओडिशा ने पूरे 20 ओवर खेले। बंगाल ने विवेक के नाबाद 54 और सुवांकर बल नाबाद 34 के दम पर एक विकेट खोकर 12.2 ओवरों में यह लक्ष्य हासिल कर लिया। बंगाल ने एक मात्र विकेट श्रीवत्स गोस्वामी के रूप में खोया जिन्होंने 25 रन बनाए। विवेक ने 35 गेंदों की पारी में छह चौके और दो छक्के लगाए। बल ने 23 गेंदों की पारी में चार चौके और एक छक्का लगया। इससे पहले ओडिशा की तरफ से तीन ही बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को छू सके। टीम के सर्वोच्च स्कोरर राजेश धूपर रहे जिन्होंने 37 रन बनाए। अंकित यादव ने 32 रनों का योगदान दिया। आदित्य राउत ने 11 रन बनाए।

सीए ने भारतीय खिलाड़ियों पर हुई नस्लीय टिप्पणी की जांच की शुरू की

सिडनी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने पुष्टि की है कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर जारी भारत और आस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन रविवार को भारतीय खिलाड़ियों पर हुई नस्लीय टिप्पणी की जांच शुरू कर दी गई है। एससीजी के दर्शक दीर्घा से हुई नस्लीय टिप्पणी के कारण खेल कुछ समय तक रुका रहा। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने उस स्थान का मुआयना किया, जहां से मोहम्मद सिराज के अनुसार आवाज आई थी। कई लोगों से पूछताछ की गई और फिर करीब छह लोगों को लेकर पुलिस स्टैंड से बाहर चली गई। सीए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के 86वें ओवर के समापन के बाद सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर दर्शकों द्वारा की गई टिप्पणी की न्यू साउथ वेल्स पुलिस के साथ मिलकर जांच शुरू कर दी है। भारतीय टीम ने मैच के तीसरे दिन शनिवार को दर्शकों की तरफ से मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह पर नस्लीय टिप्पणी करने की शिकायत की थी। रविवार को भी यह जारी रहा और सिराज ने इस मामले को उठाया। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) की इंटिग्रिटी यूनिट के मुखिया सीन कैरोल ने कहा है कि जिन लोगों ने बुमराह और सिराज पर नस्लीय टिप्पणी की है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कैरोल ने कहा, दर्शकों द्वारा क्रिकेटरों के साथ दुर्व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। हम आज की घटना की रिपोर्टिंग करने के लिए भारतीय टीम को धन्यवाद देते हैं, जिसकी हम अब जांच की प्रक्रिया में हैं। एनएसडब्ल्यू पुलिस द्वारा कई दर्शकों से पूछताछ की गई है और उन्हें में रविवार दोपहर को एससीजी से हटा दिया गया है। अब हम पुलिस द्वारा जांच की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

खिलाड़ियों के साथ इससे खराब व्यवहार नहीं हो सकता : कोहली

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के नियमित कप्तान विराट कोहली ने रविवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में भारत और आस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में आस्ट्रेलियाई दर्शकों द्वारा की गई नस्लीय टिप्पणी की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि खिलाड़ियों के साथ इससे खराब व्यवहार और कुछ नहीं हो सकता। कोहली ने ट्वीट कर इसके खिलाफ हमला बोला। पहला टेस्ट मैच खेलने के बाद कोहली अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कोहली ने लिखा, नस्लीय टिप्पणी बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जा सकती। सीमा रेखा के पास फालतू की बातें बोलना बेहद खराब है। यह खराब व्यवहार की पराकाष्ठा है। मैदान पर यह होता देखना दुखद है। उन्होंने कहा, इस मामले को तत्काल प्रभाव से गंभीरता से देखना चाहिए और आरोपियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। सीमा रेखा के पास खड़े मोहम्मद सिराज पर दर्शकों ने नस्लीय टिप्पणी की। इसके बाद सिराज ने अपनी टीम के कप्तान और मैदान अंपायर से इसकी शिकायत की। इस दौरान खेल कुछ देर रुका रहा और सुरक्षा अधिकारियों ने छह दर्शकों को इस संबंध में स्टेडियम से बाहर भेज दिया। कोहली ने लिखा, अपनी टीम के साथियों को सिडनी में लगातार नस्लीय टिप्पणी का सामना करते हुए देखना निराशाजनक है। आज की दुनिया में नस्लवाद की कोई जगह नहीं है और यह बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मुझे लगता है कि जिन लोगों ने खराब व्यवहार किया उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हरभजन सिंह और वीवीएस. लक्ष्मण ने भी इस मामले पर अपनी निराशा व्यक्त की है। हरभजन ने कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में खेलते हुए अपने बारे में, अपने धर्म, अपने रंग और कई चीजों को लेकर काफी चीजें सुनी हैं। यह पहली बार नहीं है कि दर्शकों ने इस तरह की वाहियात हरकत की हो। आप कैसे उन्हें रोकेंगे? भारत के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस. लक्ष्मण ने भी इसकी आलोचना करते हुए ट्वीट किया, एससीजी में जो हुआ वो काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। यह फालतू चीज बर्दाश्त नहीं। मैदान पर खिलाड़ी को गाली देने का मतलब आज तक समझ नहीं आया।

अगर आप यहां मैच देखने नहीं आए हैं और सम्मानजनक व्यवहार नहीं कर सकते तो कृपया माहौल खराब करने नहीं आइए।

भारतीय टीम योद्धा की तरह लड़ रही है - अश्विन

सिडनी। चोटों और नस्लीय टिप्पणियों ने भारतीय टीम के खिलाड़ियों को करीब लाया है और टीम मैदान पर एक योद्धा की तरह लड़ रही है, यह कहना है टीम के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में भारत के ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा चोटिल हो गए हैं। वहीं टीम को नस्लीय टिप्पणियों का भी सामना करना पड़ रहा है। चौथे दिन रविवार का खेल खत्म होने के बाद अश्विन ने कहा, मुझे निजी तौर पर लगता है कि जो भी हमारे सामने स्थिति आ रही है, हमने उसका सामना योद्धा की तरह किया और हम कल भी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जब विपदा आती है, टीम एक साथ होती है। एडिलेड टेस्ट के बाद हम एक साथ थे और हमने बात की। उस मैच के बाद हम काफी करीब आ गए और हमने एमसीजी में परिणाम देखा। हम काफी सकारात्मक लग रहे थे। अश्विन ने इस बात की पुष्टि की है कि पंत पांचवें दिन बल्लेबाजी करेंगे। उन्होंने कहा, पंत बल्लेबाजी करेंगे। चोट काफी गंभीर थी और उन्हें काफी दर्द हो रहा था कोहनी काफी नाजुक जगह है.. लेकिन आप जानते हैं कि जडेजा को जैसी चोट लगी, ऐसी चीजें होती हैं और यह आपको पीछे धकेल देती हैं।

आईसीसी ने एससीजी में नस्लीय विवाद की निंदा की, सीए को पूरा समर्थन का वादा

सिडनी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत और आस्ट्रेलिया के बीच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में नस्लीय विवाद की कड़ी आलोचना की है। आईसीसी ने बयान में कहा है कि वह क्रिकेट आस्ट्रेलिया को जांच में पूरा समर्थन देने को तैयार है। भारतीय टीम ने मैच रेफरी डेविड बून से तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद नस्लीय टिप्पणियों को लेकर शिकायत की थी। चौथे दिन मैच अधिकारी और स्टेडियम के अधिकारी चौकन्ने थे। चौथे दिन जब मोहम्मद सिराज ने इस मामले को लेकर एक बार फिर शिकायत दर्ज कराई तो खेल रोक दिया गया और सुरक्षा अधिकारियों ने छह लोगों को मैदान से बाहर भेज दिया। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनु स्वाहने ने कहा, हमारे खेल में भेदभाव को लेकर कोई जगह नहीं है और हम पूरी तरह से निराश हैं कि दर्शकों की बहुत कम तादाद के लिए यह खराब व्यवहार मानने योग्य है। हमारी भेदभाव को लेकर नीति है जिसे सदस्यों को मानना होता है और यह सुनिश्चित करना होता है कि प्रशंसक भी उसे मानें। मैदान पर मौजूद अधिकारियों और क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने जो कदम उठाए हम उससे खुश हैं।

पूर्व कप्तान गोविंदा ने पूछा, ध्यान चंद को अब तक भारत रत्न क्यों नहीं?

नई दिल्ली।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व कप्तान बीपी गोविंदा ने कहा है कि हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले पूर्व कप्तान और मेजर ध्यान चंद एक महान व्यक्ति, महान इंसान और एक महान खिलाड़ी थे और यह आश्चर्य की बात है कि उन्हें अभी तक देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान-भारत रत्न-से सम्मानित नहीं किया गया है।

गोविंदा वर्ष 1975 में हॉकी विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम और 1972 में म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं। गोविंदा ने आईएएनएस से कहा, भारत रत्न उन लोगों को दिया जाता है, जो देश को मान और सम्मान दिलाते हैं और यह सिफारिशों और नामांकनों पर आधारित है। मैं कहता हूं कि (जब) इतने लोगों ने सिफारिश की है (इस सम्मान के लिए ध्यान चंद का नाम) तो दादा को क्यों नहीं दिया? उन्होंने कहा, एक हॉकी जादूगर होने के नाते और कोई है, जिसे दुनिया अच्छी तरह से जानती है, क्यों नहीं? उन्हें क्यों नहीं मिलना चाहिए? लोगों ने ध्यान चंद की तुलना फुटबाल में पेले से की थी। मैं दादा को अच्छी तरह से जानता था। मैं उनसे पटियाला में राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में मिला था। वह दुनिया भर में जाने जाते था, लेकिन उन्होंने कभी इसे दिखाने की कोशिश नहीं की। 2014 में दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भारत रत्न से सम्मानित होने वाले पहले और एकमात्र खिलाड़ी थे। हालांकि इससे पहले भी, ध्यान चंद को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित करने की मांग उठ चुकी है। ध्यान चंद एम्स्टर्डम (1928), लॉस एंजेलिस (1932) और बर्लिन (जहां वे कप्तान थे) में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने वाले ध्यान चंद ने कई मैच खेले और सैकड़ों गोल किए थे। देश में हर साल 29 अगस्त को उनकी जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। सेंटर फॉरवर्ड ध्यान चंद एक निस्वार्थ व्यक्ति और खिलाड़ी थे। मैदान पर, अगर जब उन्हें लगता था कि कोई अन्य खिलाड़ी गोल करने के लिए बेहतर स्थिति में है, तो वह गेंद को अपने पास रखने के बजाय दूसरों को पास कर देते थे। 1936 के बर्लिन ओलंपिक में ब्रिटिश भारतीय सेना के एक प्रमुख ध्यान चंद को देखने के बाद एडोल्फ हिटलर ने उन्हें जर्मन नागरिकता और एक उच्चतर सेना पद देने की पेशकश की थी हालांकि ध्यान चंद ने बड़ी विनम्रता से इसे ठुकरा दिया था। 29 अगस्त 1905 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में जन्में ध्यान चंद का वास्तविक नाम ध्यान सिंह था।

कार्थी के लिए हॉकी जीवन में वित्तीय स्थिरता के लिए जरूरी

बेंगलुरू। तमिलनाडु के चेन्नई से 350 किलोमीटर दूर स्थित अरियालुर गांव अपनी उपजाऊ मिट्टी और सीमेंट फैक्ट्री के लिए जाना जाता है, लेकिन वहां के रहने वाले एस. कार्थी ने हॉकी में करियर बनाने का फैसला किया। तमिलनाडु की तरफ से जूनियर नेशनल चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें 2018 में भारतीय टीम के कैम्प में शामिल होने का मौका मिला। वह इस समय जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैम्प का हिस्सा हैं। घर की माली हालत ठीक न होने के कारण कार्थी इस बात को बहुत अच्छे से जानते हैं कि हॉकी में शानदार करियर उन्हें नौकरी और वित्तीय स्थिरता दिला सकता है जिससे वे अपने परिवार की मदद कर सकते हैं। 19 साल के स्ट्राइकर ने कहा, मेरे पिता सरकारी कॉलेज में चौकीदार की नौकरी करते हैं। उनका वेतन 5000 है। मेरी बड़ी बहन की शादी हो चुकी है और मेरा एक छोटा भाई है जिसने 12वीं पास कर ली है। मैं जानतां हूं कि भारतीय टीम में कई खिलाड़ी हैं जो अलग-अलग वित्तीय बैकग्राउंड से आते हैं और मैं कोई अलग नहीं हूं, लेकिन हॉकी ने उनकी मदद की है। उन्होंने कहा, हॉकी की वजह से उन्हें पहचान और अच्छी नौकरी मिली है। बाकियों की तरह मेरा भी लक्ष्य देश के लिए हॉकी खेलना है और मैं जूनियर भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए काफी मेहनत कर रहा हूं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पिंक बिकिनी में वाणी कपूर ने ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह फैंस के साथ अक्सर अपनी हॉट तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वाणी कपूर ने हाल ही में अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो जमकर वायरल हो रही है।

इस तस्वीर में वाणी कपूर पिंक कलर की बिकिनी में नजर आ रही हैं और सनसेट एंजॉय कर रही हैं। वाणी बेहद सेक्सी और बोल्ड नजर आ रही हैं, ये तस्वीरें देखकर हर किसी की नजर जाकर उनपर ठहर जाएंगी।

इस तस्वीर के साथ वाणी कपूर ने कैप्शन लिखा है, 'सनसेट और परछाई।' वाणी की इस तस्वीर की फैंस जमकर तरीफ कर रहे हैं।

वर्कफ़्रंट की बात करें तो वाणी की कई फिल्में कतार में हैं। वह जल्द ही फिल्म शेरशाह, बेल बॉटम और चडीगढ़ करे आशिकी में लीड रोल में नजर आएंगी।

'आंखें 2' में नजर आ सकते हैं सिद्धार्थ मल्होत्रा, अमिताभ बच्चन निभाएंगे विलेन का किरदार

बॉलीवुड में पिछले कुछ वक्त में कई फिल्मों के रीमेक बन चुके हैं, जबकि कुछ फिल्मों पर काम चल रहा है। अमिताभ बच्चन की फिल्म 'आंखें' के सीक्वल को लेकर भी काफी समय से चर्चा है। इसकी स्टार कास्ट में अभी तक कई बार बदलाव हो चुके हैं।

शुरुआत में मेकर्स इस फिल्म को अनिल कपूर और अमिताभ बच्चन के साथ बनाना चाहते थे, जबकि ऐसा नहीं हो पाया। बाद में सैफ अली खान और जैकलीन फर्नांडिस के नाम की चर्चा शुरू हो गई। अब हाल ही में खबर आई है कि फिल्म में अमिताभ के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आ सकते हैं।

खबरों के अनुसार, अमिताभ बच्चन पहले ही इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर चुके हैं, जबकि फिल्म की टीम ने सिद्धार्थ मल्होत्रा को इसके लिए अप्रोच करने की कोशिश की है। 'आंखे 2' में सिद्धार्थ को एक अंधे शख्स का किरदार निभाते हुए देखा जा सकता है।

अमिताभ बच्चन की बात करें तो वह मुख्य विलेन की भूमिका निभाते हुए नजर आ सकते हैं। फिल्म की कहानी की बात करें तो यह ऑरिजनल फिल्म से बिल्कुल अलग होगी। इसकी कहानी का 2002 की 'आंखे' से कोई लेना देना नहीं रहेगा। यह पूरी तरह से नई होगी। हालांकि, इस बार भी पहले जैसा ही सस्पेंस और थ्रिलर देखने को मिलेगी।

बता दें कि पिछली फिल्म में अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, अर्जुन रामपाल, सुष्मिता सेन, परेश रावल और आदित्य पंचोली जैसे सितारे अहम किरदारों में नजर आए थे। फिल्म के सीक्वल की पहली घोषणा 2006 में हुई थी। उस समय निर्देशक विपुल अमृतलाल शाह और निर्माता गौरंग दोषी के आपसी मतभेद के कारण शाह ने सीक्वल से खुद को अलग कर लिया। कुछ वक्त के बाद ही गौरंग कनूनी समस्याओं में फंस गए।

इसके बाद तरुण अग्रवाल ने फिल्म के राइट्स खरीदे और 2019 में अनीस बज्मी ने बताया कि उन्होंने 'आंखे 2' की स्क्रिप्ट लगभग पूरी कर ली है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की आगामी फिल्मों पर बात करें तो हाल ही में उनकी फिल्म 'मिशन मजनू' का ऐलान किया गया है। इसके अलावा वह 'शेरशाह' को लेकर भी चर्चा में हैं। वहीं अमिताभ बच्चन इन दिनों 'कौन बनेगा करोड़पति 12' को होस्ट करते दिख रहे हैं। इसके अलावा जल्द ही वह अजय देवगन की फिल्म 'मेडे' पर भी काम शुरू करने वाले हैं। वहीं, उन्हें ब्रह्मास्त्र, झुंड, चेहरे और तेरा यार हूं मैं में भी देखा जाएगा।

हम कलाकार के तौर पर हो जाते हैं स्टीरियोटाइप

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी का मानना है कि एक अभिनेता के रूप में स्टीरियोटाइप होना आसान है और उससे दूर होना बहुत मुश्किल है। अरशद का कहना है कि वह कॉमिक भूमिकाओं में अपनी भारी लोकप्रियता के बावजूद छवि के जाल से बचने में सफल रहे हैं, क्योंकि उनकी गंभीर भूमिकाओं को भी उतना ही पसंद किया गया।

अरशद वारसी ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया, यह मुश्किल है (स्टीरियोटाइप को तोड़ना)। हम सभी स्टीरियोटाइप हो जाते हैं, हम सभी किरदार करते हैं, हर अभिनेता करता है। यही है कि आप एक निश्चित भूमिका करते हैं या आप कुछ ऐसा करते हैं जो लोग आनंद लेते हैं, और फिर वैसे ही किरदार आने लगते हैं, क्योंकि आपका वह किरदार बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने लगता है।

उन्होंने कहा, इससे बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। सौभाग्य से मैं पूरी तरह से इससे निकलने में कामयाब रहा, क्योंकि लोगों ने मेरे गंभीर अभिनय के साथ-साथ मेरी कॉमेडी का भी आनंद लिया। आमतौर पर, जब कोई कॉमेडी करता है, तो उसकी गंभीर भूमिकाएं बहुत कमाल नहीं कर पातीं, क्योंकि आप उस व्यक्ति के इमेज को मन से बाहर नहीं निकाल पाते हैं।

अरशद ने किरदार को अलग-अलग तरीके से पेश करने को लेकर कहा, मैं चरित्र में इस कदर ढल जाता हूं कि मैं आपको भूलने में मदद करता हूं कि मैं कौन हूं। मैं आपको यह भूलने में मदद करता हूं कि मेरा पिछला किरदार क्या था, और वह मेरे लिए काम करता है।

बता दें कि अरशद वारसी ने पिछले साल मनोवैज्ञानिक थ्रिलर 'असुर' के साथ अपना डिजिटल डेब्यू किया। उन्हें फिल्म 'दुर्गामती: द मिथ' में एक राजनेता की भूमिका में भी देखा गया। अरशद फिलहाल जैसलमेर में अक्षय कुमार, कृति सैनन और जैकलीन फर्नांडिस के साथ 'बच्चन पांडे' की शूटिंग कर रहे हैं।

दीपिका पादुकोण के बेहद करीब हैं ये दो लोग

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर क्वेसेशन किया। इस दौरान उन्होंने फैंस के सभी सवालों के जवाब दिए। इसके साथ ही दीपिका ने अपने बचपन की तस्वीरें शेयर की जिसे बहुत पसंद किया जा रहा है।

सेशन के दौरान दीपिका पादुकोण से पूछा गया कि वह किससे सबसे ज्यादा किसके करीब हैं, तो उन्होंने पति रणवीर सिंह और छोटी बहन अनीशा की तस्वीर शेयर कर जवाब दिया। एक तस्वीर में अनीशा, दीपिका को हग करती नजर आ रही हैं तो दूसरी तस्वीर में वह रणवीर सिंह के गाल पर किस करती दिख रही हैं।

जब दीपिका से पूछा गया कि वह कैमरे के सामने पहली बार कब आई थीं, तो उन्होंने अपने बचपन की एक तस्वीर साझा की जिसमें वह चार साल की उम्र में बेबी साइकल पर बैठी हुई दिख रही हैं।

इसके बाद उनसे पूछा गया कि फिल्म पीकू में उनसे फेवरेट मोमेंट कौन सा था तो उन्होंने जवाब में इरफान खान के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। बता दें दीपिका इंस्टाग्राम पर 'पोस्ट अ पिक्चर' चैलेंज अभी भी शेयर कर रही हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण शकुन बत्रा की फिल्म में नजर आने वाली हैं। फिल्म में वह पहली बार सिद्धांत चतुर्वेदी संग काम करने जा रही हैं। इसके अलावा वे 83 में भी काम कर रही हैं। ये फिल्म क्रिकेटर कपिल देव की बायोपिक है।

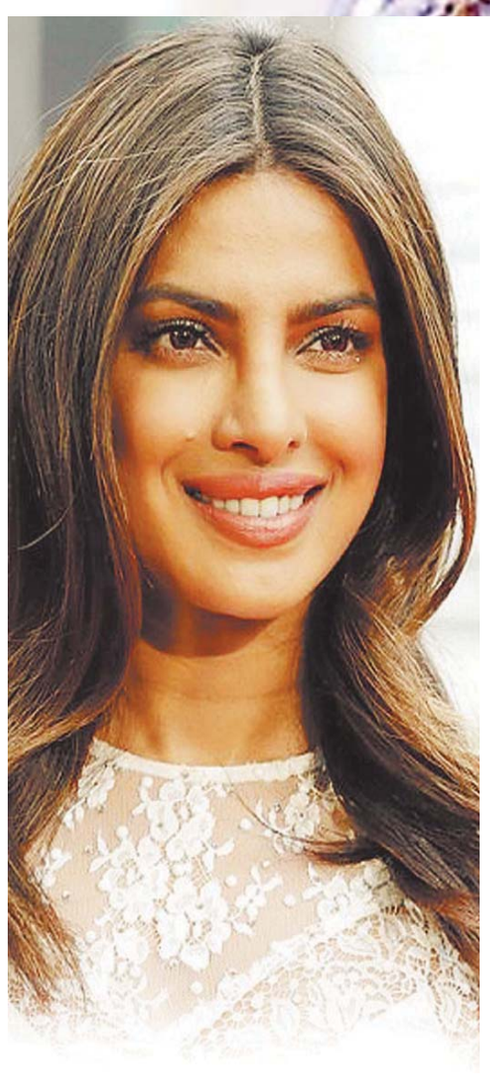

प्रियंका चोपड़ा ने पूरी की आगामी हॉलीवुड फिल्म टेक्स्ट फॉर यू की शूटिंग

अभिनेता प्रियंका चोपड़ा ने लंदन में अपनी आगामी हॉलीवुड फिल्म 'टेक्स्ट फॉर यू' की शूटिंग पूरी कर ली है। जिम स्ट्रॉस निर्देशित यह रोमांटिक फिल्म वर्ष 2016 में जर्मन में आई सुपरहिट फिल्म 'एसएमएस फर डिच' से प्रभावित है जो सोफी क्रामर की इसी नाम से आए उपन्यास पर आधारित थी। प्रियंका चोपड़ा (38) ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर साझा करते हुए शूटिंग के समाप्त होने की जानकारी दी। इस तस्वीर में वह फिल्म की पटकथा की प्रति लिए हुए दिख रही हैं। उन्होंने लिखा, ''समापन हो गया। पूरी टीम को बधाई और धन्यवाद। आपको फिल्म में देखेंगे।''

पिछले महीने प्रियंका चोपड़ा ने बताया था कि कोरोना वायरस संबंधी महामारी के बीच होने वाली शूटिंग में रोजाना उनकी और फिल्म निर्माण टीम की कोविड-19 जांच होती है और भौतिक दूरी का अनुपालन किया जाता है। उल्लेखनीय है कि प्रियंका इस समय अपनी फिल्म 'द व्हाइट टाइगर' के रिलीज होने की तैयारी कर रही हैं जिसका निर्देशन रमीन बहरानी ने किया है और यह फिल्म अरविंद अडिगा की इसी नाम से प्रकाशित उपन्यास पर आधारित है। इस फिल्म का 22 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होना है।

'तांडव' में अपने किरदार समर प्रताप सिंह को लेकर सैफ अली खान ने कही यह बात

अमेजन प्राइम वीडियो के आगामी राजनीतिक ड्रामा 'तांडव' ने लोगों में उत्साह से भर दिया है। अली अब्बास जफर द्वारा रचित और निर्देशित, इस सीरीज में दर्शकों को सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी शहर के सशक्त गलियारों में अराजकता से रूबरू करवाया जाएगा।

इस सीरीज में अहम किरदार निभा रहे सैफ अली खान स्क्रीन पर कुछ बहुत ही अपरंपरागत किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं और अब अमेजन प्राइम वीडियो पर सीरीज 'तांडव' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनका किरदार समर प्रताप सिंह इस काल्पनिक राजनीतिक सिस्टम का उत्प्रेरक है।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, सैफ ने साझा किया, तांडव में मेरा किरदार उस राजनेता के बारे में हैं जो अपनी प्रतिक्रिया के कारण शक्तिशाली और खतरनाक है। और मैं इस किरदार की तरफ़ आकर्षित हुआ क्योंकि आप नहीं जानते कि वह क्या सोच रहा है, वह एक रहस्यमय किरदार है, लेकिन पर्दे के पीछे जो हो रहा है वह काफी नाटकीय है और कुछ भी हो सकता है। इसलिए वह देखने के लिए काफ़ी मनोरंजक है और निश्चित रूप से वह विश्वास करने की तरह है।

उन्होंने कहा, वह किसी भी हद्द तक जा सकता है और मुझे उस तरह की प्रतिक्रिया दिलचस्प लगती है और मैं एक ऐसे दौर से गुज़रा हूं जहां शायद इनमें से कुछ भूमिकाएं एक साथ आई हैं और इनमें से जिन नकारात्मक भूमिकाओं ने मुझे अपनी तरफ़ आकर्षित किया है वह बहुत अच्छी तरह से लिखी गई हैं, कुछ सकारात्मक पात्रों की तुलना में बेहतर लिखी गई हैं, जिन्हें आपने सुना है।

मैं उन टर्म्स के बारे में नहीं सोचता। मैं दिलचस्प काम के बारे में सोचता हूं, आप घर पर रहते हैं, जीवन अच्छा है, आपके पास अपना परिवार है आपको जीवन के बारे में अपना दृष्टिकोण मिल गया है। रचनात्मक संतुष्टि पर काम करना बहुत महत्वपूर्ण है लेकिन आप क्या किरदार निभा रहे हैं? इसलिए अगर यह दिलचस्प है और आपको आकर्षित करता है, तो आप घर आते हैं और इसके बारे में भूल जाते हैं और अपने जीवन में आगे बढ़ते जाते हैं।

सैफ ने आगे साझा करते हुए बताया, तो मैं बस कुछ ऐसा चुनता हूं जिसके लिए मैं मेरे घर से बाहर निकल सकूं। अक्सर हम अपने परिवार से दूर रहते हैं, हम किसी होटल में रहते हैं, इसलिए यह घर से दूर रहने लायक होना चाहिए। तान्हाजी और तांडव के डार्क शेड्स हैं जिसने मुझे यह किरदार निभाने के लिए आकर्षित किया है क्योंकि मुझे लगता है स्क्रीन पर स्ट्रैट लड़के की तुलना में ऐसे किरदार में अधिक मज़ा आता है, इसलिए मैं यह कर रहा हूं। लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं आगे इसे करना जारी रखूंगा या नहीं।

9 एपिसोड का यह राजनीतिक ड्रामा गौरव सोलंकी द्वारा लिखित है और इसमें सैफ अली खान, डिंपल कपाड़िया, सुनील ग्रोवर, तिग्मांशु धूलिया, डीनो मोरिया, कुमुद मिश्रा, गौहर खान, अमायरा दस्तूर, मोहम्मद जीशान आय्यूब, कृतिका कामरा, सारा जेन डायस, संध्या मृदुल, अनूप सोनी, हितेन तेजवानी, परेश पाहुजा और शोनाली नागरानी सहित अन्य कई अन्य दमदार कलाकारों की टोली नज़र आएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका स्थित पाकिस्तानी राजदूत के घर के बाहर पश्तूनों ने किया प्रदर्शन, इमरान सरकार के खिलाफ लगाए नारे

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

पाकिस्तान में पश्तून लोगों के मानवाधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ शनिवार को वाशिंगटन डीसी स्थित पाकिस्तानी राजदूत के घर के बाहर लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया। पश्तून तहफ्फुज मूवमेंट द्वारा आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान ही न्यूयॉर्क से वाशिंगटन डीसी तक 350 मील लंबा पैदल मार्च आयोजित किए जाने की भी जानकारी दी गई।

बता दें कि यह विरोध प्रदर्शन दो पीटीएम सदस्यों की गिरफ्तारी के चलते किया गया। पेशावर में हुए विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के चलते दोनों नेताओं को गिरफ्तार किया गया था।

इमरान सरकार में प्रदर्शनकारियों का किया जा रहा कत्ल

पश्तूनों के खिलाफ पाकिस्तान का रवैया हमेशा दोयम दर्जे का रहा है। पहले की सरकारों द्वारा पश्तून नेताओं और समर्थकों पर यात्रा प्रतिबंध लगाया जाता था, लेकिन इमरान सरकार में प्रदर्शनकारियों का कत्ल किया जाना शुरू कर दिया गया।

अमेरिका पैसा देना बंद कर दे तो पाकिस्तान के हो आ जाएंगे ठिकाने

एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि छद्म आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका पैसा देना बंद कर दे तो पाकिस्तान के होश ठिकाने आ जाएंगे।

एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा, %हम पाकिस्तान से आग्रह करते हैं कि वह छद्म आतंकवाद को बढ़ावा देने के बजाय देशवासियों को भोजन और पानी देने में निवेश करे। उन्होंने पाकिस्तान को एक चतुर और ठग देश कहा जो अमेरिका के साथ-साथ सभी को ब्लैकमेल करता है।

सार समाचार

पाकिस्तान के अनेक शहरों में ब्लैकआउट के बाद बिजली आपूर्ति बहाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद सहित अनेक शहरों में रविवार को बिजली आपूर्ति पूरी तरह से अथवा आंशिक तौर पर बहाल कर दी गई। इससे पहले विद्युत वितरण प्रणाली में खामी के कारण देश के अनेक शहरों और कस्बों में शनिवार रात बिजली आपूर्ति ठप होने से हर ओर अंधेरा छाया रहा। कई शहरों में आधी रात के बाद लगभग एक ही समय बिजली आपूर्ति बाधित हुई। कराची, रावलपिंडी, लाहौर, इस्लामाबाद, मुल्तान के अलावा कई अन्य शहरों के लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री उमर अयूब खान ने कहा कि तकनीकी दल बिजली आपूर्ति बहाल करने के काम में लगा हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद, रावलपिंडी,लाहौर, मुल्तान, कराची और फैसलाबाद जैसे शहरों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से अथवा आंशिक तौर पर बहाल कर दी गई है लेकिन स्थिति सामान्य होने में थोड़ा वक्त लगेगा। खान और सूचना मंत्री शिबली फराज ने संवाददाताओं को बताया कि सिंध प्रांत में गुड्डू बिजली संयंत्र में बीती रात 11.41 बजे कोई खराबी आने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई। उन्होंने कहा कि अभी इस बात का पता नहीं चल सका है कि किस वजह से बिजली आपूर्ति ठप हुई और प्रणाली में आवृत्ति अचानक 50 से गिरकर शून्य हो गई।

इंडोनेशिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा जावा सागर में मिला, 62 यात्री थे सवार

जकार्ता। इंडोनेशिया के अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने दुर्घटनाग्रस्त विमान बोइंग 737-500 के मलबे एवं ब्लैक बॉक्स का रविवार को पता लगा लिया। शनिवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए श्रीविजय एयरलाइंस के इस विमान में 62 यात्री सवार थे। इंडोनेशिया के राष्ट्रीय तलाशी एवं बचाव एजेंसी के प्रमुख बगस पुरोहितो ने बताया कि अधिकारियों का मानना है कि उन्होंने उस स्थान का पता लगा लिया है जहां पर विमान का ब्लैक बॉक्स (कॉकपिट का डाटा एवं ध्वनि रिकॉर्डर) गिरा है क्योंकि उससे निकलने वाले आपात संकेत की पहचान नौसेना पोत की सोनार प्रणाली ने की है। सैन्य प्रमुख हादी त्जाहजांतो ने कहा, 'हमने उपकरण से आए दो संकेतों की मदद से ब्लैक बॉक्स का पता लगा लिया है। उन्होंने कहा, 'उम्मीद है हम हादसे की वजह जानने में सहायक ब्लैक बॉक्स को जल्द ही बाहर निकाल लेंगे।' इससे पहले रविवार को तलाशी एवं बचाव अभियान के तहत गोताखोरों को जावा सागर में 23 मीटर की गहराई में विमान के हिस्से मिले थे जिसके बाद और गहनता से खोज अभियान शुरू किया गया।' त्जाहजांतो ने एक बयान में कहा, 'हमें खबर मिली है कि पानी में दृश्यता ठीक है जिससे गोताखोरों के दल के लिए विमान के कुछ हिस्सों को खोजने में मदद मिली।

पाकिस्तान में कोरोना मामलों की संख्या 5 लाख के पार, अब तक 10500 से अधिक लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटों में 2,899 कोरोना मरीजों के मामले सामने आने के बाद देश में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 502,416 हो गई है ।राष्ट्रीय कमान और आपरेशन केन्द्र (एनसीओसी) ने रविवार को यह जानकारी दी। देश में दक्षिण सिंध प्रांत में कोरोना से हालात काफी बदतर हैं और यहां कोरोना के 225,509 मामले दर्ज किए गए हैं और इसके बाद पूर्वी पंजाब में 144,909 लोग कोरोना पाजिटिव पाए गए हैं।

देश में पिछले 24 घंटों में 46 लोगों की कोरोना से मौत हो गई है और कुल मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 10,644 हो गया है। इस समय 2,804 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार जारी है और अब तक कोरोना से 456,969 मरीज स्वस्थ हो गए हैं। पाकिस्तान में अब तक सरकारी और विभिन्न निजी प्रयोगशालाओं में कुल 7,088,014 परीक्षण किए जा चुके हैं और 623 अस्पतालों में कोरोना मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

वेटिकन में अगले सप्ताह से शुरू होगा टीकाकरण, ब्रिटेन में कोरोना का नया संस्करण तेजी से फैल रहा

लंदन। 1305 लोगों की मौत के साथ ही ब्रिटेन में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 81,000 को पार कर गया है। वहीं 59,937 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। एक दिन पहले यह संख्या 68,053 थी। इंग्लैंड के मुख्य चिकित्सा अधिकारी क्रिस विटी ने रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया पर एक विज्ञापन में कहा कि कोरोना का नया संस्करण पूरे देश में तेजी से फैल रहा है। इससे कई लोगों को गंभीर बीमारी का खतरा है। कोरोना का टीका आशा की किरण दिखाते हैं और ऐसी स्थिति में हम सभी को घर पर रहकर अपना जीवन बचाना चाहिए। इसी बीच सरकार को सलाह देने वाले विज्ञानियों ने कहा है कि वर्तमान लॉकडाउन उपायों को और सख्त करने की जरूरत है।

पोप फ्रांसिस ने कहा- वेटिकन में टीकाकरण अगले सप्ताह से शुरू, मैं भी वैक्सीन लेने की कतार में

उधर, सीएनएन को दिए साक्षात्कार में पोप फ्रांसिस ने कहा है कि वेटिकन में अगले सप्ताह से टीकाकरण शुरू होगा और वह भी वैक्सीन लेने वालों की कतार में हैं। उन्होंने कहा कि वैक्सीन लेना उनका नैतिक कर्तव्य है। बता दें कि इससे पहले ब्रिटिश महारानी एलिजाबेथ द्वितीय और प्रिंस फिलिप को कोरोना की वैक्सीन दी गई थी।

जो बाइडेन के शपथग्रहण समारोह में शामिल होंगे उपराष्ट्रपति माइक पेंस, ट्रंप के नहीं आने को लेकर कसा तंज

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के निवर्तमान उपराष्ट्रपति माइक पेंस नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन के शपथग्रहण समारोह में शामिल होंगे। एबीसी न्यूज चैनल ने एक सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। इससे पहले बाइडेन ने पेंस को अपने शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। वहीं बाइडेन ने निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उनके शपथग्रहण समारोह में शामिल नहीं होने के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा कि यह अच्छी बात है। ट्रंप के नहीं आने के मुद्दे पर बाइडेन ने तंज भरे अंदाज में कहा, 'कुछ ही ऐसी चीजें हैं, जिस पर हम दोनों ही सहमत हैं। उनका समारोह में न आना एक अच्छी बात है।'

दूसरी ओर, बाइडेन ने अपनी टीम लगभग तैयार कर ली है। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमने कैबिनेट के नामों को तय कर लिया है।बाइडेन ने कहा, ये अब तक की पहली ऐसी कैबिनेट होगी, जिसमें महिला और पुरुष दोनों की समान भागीदारी होगी। ट्रंप के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी के सवाल पर जो बाइडेन ने कहा कि ये फैसला कांग्रेस करेगी। मुझे अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना है। कोरोना वैक्सीन के सवाल पर बाइडेन ने कहा कि टीके हमें उम्मीद देते हैं, लेकिन इसे लागू करना एक चुनौती की तरह है। इस चुनौतीपूर्ण काम को अंजाम देना एक देश के तौर पर अब तक की सबसे बड़ी चुनौती होगा।

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद आव्रजन संबंधी कानून पेश करेंगे जो बाइडेन

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन पद संभालने के तत्काल बाद क्या करेंगे, इस सवाल के जबाव में उन्होंने कहा कि वे ट्रंप प्रशासन की नीतियों को पटलते हुए एक आव्रजन कानून लेकर आएंगे। बाइडन 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। उन्होंने डेलावेयर के विलमिंगटन में पत्रकारों से कहा, 'मैं तत्काल आव्रजन कानून लेकर आऊंगा। इन्हें विचार-विमर्श के लिए उचित समितियों को भेजा गया है।' ट्रंप की आव्रजन नीतियों को पलटना बाइडन के मुख्य चुनावी वादों में से एक है। ट्रंप प्रशासन शुरू से ही सीमित आव्रजन पर काम करता रहा है। ट्रंप ने राष्ट्रपति बनते ही सात मुस्लिम-बहुल देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिया था।

जो बाइडेन ने डोनाल्ड ट्रंप को बताया अमेरिकी इतिहास का सबसे अयोग्य राष्ट्रपति

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी इतिहास में सबसे अयोग्य राष्ट्रपति हैं। ट्रंप के खिलाफ महाभियोग लाने या उनके कार्यकाल के बचे हुए 12 दिन से पहले उन्हें हटाने संबंधी प्रश्न पर बाइडेन ने कहा कि 20 जनवरी को उनका पद संभालना ही ट्रंप को हटाने का सबसे त्वरित तरीका है। बाइडेन ने डेलावेयर में पत्रकारों से कहा, 'मैं एक वर्ष से भी ज्यादा वक्त से कहता आ रहा हूं कि वह (ट्रंप) इस पद पर रहने के काबिल नहीं हैं। वह अमेरिकी इतिहास के सबसे अयोग्य राष्ट्रपति हैं। लिहाजा उन्हें हटाने के विचार का मेरे हिसाब से कोई मतलब नहीं है।'

माइक पोम्पिओ ने ताइवान के साथ राजनयिक संपर्क स्थापित करने पर लगे प्रतिबंध हटाए

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा है कि विदेश विभाग ताइवान के साथ राजनयिक स्तर पर और अन्य स्तर पर संपर्क स्थापित करने पर लगे प्रतिबंधों को समाप्त कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन का यह चीन को दुखी कर सकता है। ट्रंप प्रशासन ने ताइवान के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की की वकालत की है। प्रशासन ने बृहस्पतिवार को ऐलान किया कि संयुक्तराष्ट्र में दूत केली क्राफ्ट ताइवान जाएंगी। अमेरिकी घोषणा के बाद चीन ने इसकी तीखी आलोचना की और चेताया कि अमेरिका को भारी कीमत चुकानी होगी। पोम्पिओ ने शनिवार को कहा, आज मैं ऐलान कर रहा हूं कि मैं (ताइवान के संबंध में) लगाए गए सभी प्रतिबंधों को खत्म कर रहा हूं। गौरतलब है कि चीन सरकार का दावा करती रही है ताइवान चीन का हिस्सा है। चीन अपने राजनयिक ताकत का इस्तेमाल कर ताइवान को ऐसे किसी भी संगठन में शामिल होने से रोकता है जिसकी सदस्यता के लिए देश का दर्जा हासिल होना जरूरी है। पोम्पिओ ने कहा कि अमेरिका दुनिया भर में अनौपचारिक साझेदारों के साथ रिश्ते कायम रखता है और इसमें ताइवान कोई अपवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि आज का बयान इस बात को स्वीकार करता है कि अमेरिका ताइवान रिश्तों को नौकरशाही द्वारा खुद लगाए गए प्रतिबंधों से प्रभावित होने की जरूरत नहीं है।

रिपब्लिक पार्टी के नेता ने कहा, ट्रंप ने महाभियोग चलाने योग्य किया अपराध

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

वाशिंगटन। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को महाभियोग चलाकर हटाने के डेमोक्रेटिक पार्टी के अभियान को तब समर्थन मिलता दिखा जब रिपब्लिकन पार्टी के एक नेता ने कहा कि राष्ट्रपति ने महाभियोग चलाने योग्य अपराध किया है। सीनेटर पैट टूमी ने यह टिप्पणी कैपिटल बिल्डिंग (अमेरिकी संसद भवन) पर ट्रंप के समर्थकों के हमले को लेकर की है। उन्होंने शनिवार को कहा कि उनका मानना है कि ट्रंप ने महाभियोग चलाने योग्य अपराध किया है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि अगर सीनेट में प्रस्ताव आता है तो वह ट्रंप को राष्ट्रपति पद से हटाने के लिए मतदान करेंगे या नहीं। टूमी ने फॉक्स न्यूज़ चैनल पर डेमोक्रेटिक पार्टी के नियंत्रण वाली प्रतिनिधि सभा के बारे में कहा, ''मुझे नहीं पता वे (सीनेट में) क्या करेंगे और मैं इसको लेकर चिंतित हूं कि क्या प्रतिनिधिसभा किसी चीज का पूरी तरह से राजनीतिकरण करेगी या नहीं।'' उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि ट्रंप ने महाभियोग चलाने योग्य अपराध किया है लेकिन मुझे नहीं पता कि सीनेट में क्या आने वाला है।'' डेमोक्रेटिक पार्टी ट्रंप का कार्यकाल खत्म होने से कुछ दिन पहले ही उनपर महाभियोग चलाना चाहती है। प्रतिनिधिसभा में महाभियोग का मसौदा तैयार करने वाले समूह के नेता डेविड सिसिलिन ने कहा कि उनके समूह में 185 सह प्रायोजक शामिल हो गए हैं। इस मसौदे में ट्रंप पर विद्रोह भड़काने का आरोप है। सांसदों की योजना सदन में सोमवार को एक प्रस्ताव लाने की है जिसमें महाभियोग के आरोप हो। इस पर बुधवार तक मतदान हो सकता है। इसके ठीक एक हफ्ते बाद 20 जनवरी को डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। अगर महाभियोग प्रतिनिधिसभा में पारित हो जाता है तो यह सुनवाई के लिए सीनेट जाएगा। सीनेट में सदस्य जूरी के तरह काम करेंगे और ट्रंप को बरी करने या दोषी ठहराने के लिए मतदान करेंगे। अगर ट्रंप को दोषी ठहराया जाता है तो उन्हें पद से हटा दिया जाएगा और उनका स्थान उपराष्ट्रपति लेंगे जो फिलहाल माइक पेंस हैं। उधर प्रतिनिधिसभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने अपने गृह शहर सैन फ्रांसिस्को में शनिवार को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस से संबोधन में महाभियोग को लेकर किसी प्रकार की जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि न्याय होगा और लोकतंत्र चलता रहेगा। पेलोसी ने कहा कि दुनिया ने यह देखा कि देश में इस राष्ट्रपति के साथ ऐसे लोग हैं जिन्होंने लोकतंत्र की तुलना में श्वेतता को चुना। ट्रंप के समर्थकों, जिनमें अधिकतर श्वेत लोग शामिल थे, उन्होंने 'कैपिटल' (संसद) पर हमला कर दिया था जिसमें एक पुलिस अधिकारी समेत पांच लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि न सिर्फ संलिप्तता बल्कि राष्ट्रपति के भड़काने को भी देखा जाएगा।

इंडोनेशिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा जावा सागर में मिला, 62 यात्री थे सवार

जकार्ता। (एजेंसी)।

इंडोनेशियाई गोताखोरों ने दुर्घटनाग्रस्त विमान बोइंग 737-500 के मलबे का रविवार को पता लगा लिया। उन्हें शनिवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए इस विमान का मलबा जावा सागर में 23 मीटर की गहराई में मिला है जिसमें 62 यात्री सवार थे। एयर चीफ मार्शल हादी त्जाहजांतो ने एक बयान में कहा, ''हमें खबर मिली है कि पानी में दृश्यता ठीक है जिससे गोताखोरों के दल के लिए विमान के कुछ हिस्सों को खोजने में मदद मिली।'' उन्होंने कहा, '' हम निश्चित है कि वह वहीं स्थान है जहां पर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है।'' एयर चीफ मार्शल ने बताया कि विमान के हिस्से मिले हैं जिनपर पंजीकरण संख्या दर्ज है। इससे पहलेबचाव दल के सदस्यों को जावा के समुद्र से रविवार सुबह मानव अवशेष, फटे कपड़े एवं धातु के कुछ टुकड़े मिले थे। उन्होंन कहा, ''उम्मीद है कि आज दोपहर तक मौजूदा स्थिति और दृश्यता ठीक है जिससे हम खोज अभियान जारी रख सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि शनिवार दोपहर विमान का संपर्क टूटने के बाद नौसेना के पोतों को सोनार संकेत मिले जिसके बाद श्रीविजय एयरलाइंस के विमान को तलाश

करने में कामयाबी मिली। अभी तक विमान हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है और न ही उसमें सवार किसी के जिंदा होने के संकेत मिले हैं। राष्ट्रपति जोको विडोडो ने कहा, '' मैं सरकार और सभी इंडोनेशिया वासियों की ओर से इस हादसे पर दुख व्यक्त करता हूं।'' परिवहन मंत्री बी के सुमादी ने संवादाताओं से कहा कि दुर्घटनास्थल का अनुमान लगने के बाद अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू किया है। राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी ने बयान जारी करके कहा कि खोज एवं बचाव दल ने लांकांग और लाकी द्वीपों के बीच ये वस्तुएं बरामद की हैं।

अमेरिका ने ताइवान के साथ राजनयिक संपर्क स्थापित करने पर लगे प्रतिबंध हटाए, चीन का आगबबूला होना तय

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने कहा है कि विदेश विभाग ताइवान के साथ राजनयिक स्तर पर और अन्य स्तर पर संपर्क स्थापित करने पर लगे प्रतिबंधों को समाप्त कर रहा है। अमेरिका द्वारा ताइवान के संदर्भ में उठाए गए इस कदम से चीन का आगबबूला होना तय है और बीजिंग और वाशिंगटन के बीच तनाव बढ़ने की संभावना है। ट्रंप प्रशासन ने यह कदम तब उठाया है जब नवनिर्वाचित राष्ट्रपति 20 जनवरी को नए राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं।

ताइवान पर दावा ठोंकता है चीन

दरअसल, चीन सरकार का दावा करती रही है ताइवान उसका ही एक हिस्सा है और उसे एक बार फिर से बीजिंग के साथ जोड़ा जाना चाहिए। भले ही इसके लिए बल प्रयोग करना पड़े। जबकि ताइवान के नेता हमेशा यह कहते रहे हैं कि वह एक संप्रभु देश है। चीन अपनी राजनयिक ताकत का इस्तेमाल कर ताइवान को ऐसे किसी भी संगठन में शामिल होने से रोकता है जिसकी सदस्यता के लिए देश का दर्जा होना जरूरी है।

पोंपियो ने किया एलान

ताइवान को विश्वसनीय और अनौपचारिक साझेदार बताते हुए पोंपियो ने शनिवार को कहा, 'आज मैं एलान कर रहा हूं कि मैं (ताइवान के संबंध में) लगाए गए सभी प्रतिबंधों को खत्म कर रहा हूं।' अमेरिका द्वारा उठाए गए कदम का ताइवान ने स्वागत किया है। विदेश मंत्री जौसिह जोसेफ वू ने ट्वीट करके कहा, 'प्रतिबंधों को खत्म करने के लिए विदेश मंत्री माइक पोंपियो का आभारी हूं।' पिछले हफ्ते पोंपियो ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत केली क्राफ्ट को ताइवान भेजने का एलान किया था।

चीन की घेरेबंदी

इस बीच हांगकांग में 50 से अधिक लोकतंत्र समर्थक आंदोलनकारियों की गिरफ्तारी को लेकर वैश्विक स्तर पर चीन की घेराबंदी शुरू होने लगी है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों ने एक संयुक्त बयान जारी कर चीन से क्षेत्र के लोगों के कानूनी अधिकारों और आजादी का सम्मान करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गई कार्रवाई गंभीर चिंता का विषय है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कहां हो पूजा का स्थान

घर में पूजा के कमरे का स्थान सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह वह जगह होती हैं, जहां से हम परमात्मा से सीधा संवाद कर सकते हैं। ऐसी जगह जहां मन को सर्वाधिक शांति और सुकून मिलता है। प्राचीन समय में अधिकांशतः पूजा का कमरा घर के अंदर नहीं बनाया जाता था।

घर के बाहर एक अलग स्थान देवता के लिए रखा जाता था जिसे परिवार का मंदिर कहा जाता था। दौर बदला और एकल परिवार का चलन बढ़ा, इसलिए पूजा का कमरा घर के भीतर ही बनाया जाने लगा है। अतएव वास्तु अनुसार पूजा घर का स्थान नियोजन और सजावट की जाए तो सकारात्मक ऊर्जा अवश्य प्रवाहित होती है।

स्थान पूजा का कमरा घर के उत्तर पूर्व कोने में बनाने से शांति सुकून, स्वास्थ्य, धन और प्रसन्नता मिलती है। पूर्व या उत्तर दिशा में भी पूजा स्थल बना सकते हैं। पूजाघर के ऊपर या नीचे की मंजिल पर शौचालय या रसोई घर नहीं होना चाहिए, न ही इनसे सटा हुआ । सीढ़ियों के नीचे पूजा का कमरा कदाचित नहीं बनवाना चाहिए। यह हमेशा ग्राउंड फ्लोर पर होना चाहिए, तहखाने में नहीं। पूजा का कमरा खुला और बड़ा बनवाना चाहिए।

मूर्तियां- कम वजन की तस्वीरें और मूर्तियां ही पूजाघर में रखनी चाहिए। इनकी दिशा पूर्व, पश्चिम, उत्तरमुखी हो सकती है, दक्षिण मुखी नहीं। भगवान का चेहरा किसी भी वस्तु से ढंका नहीं होना चाहिए, फूल और माला से भी नहीं ढका होना चाहिए। इन्हें दीवार से एक इंच दूर रखना चाहिए, एक दूसरे के सम्मुख नहीं। इनके साथ अपने पूर्वजों की तस्वीर नहीं रखनी चाहिए। खंडित मूर्तियां पूजाघर के अंदर कभी नहीं रखना चाहिए। अगर कोई मूर्ति खंडित हो जाए तो उसे तुरन्त प्रवाहित करा देना चाहिए।

दीपक- दीया पूजा की थाली में, भगवान के सामने रखा होना चाहिए। यह दरवाजे में रखा होना चाहिए, ऊँची जगह या प्लेटफार्म पर नहीं। दीपक में दो जली हुई बत्तियां होनी चाहिए। एक पूर्व और दूसरी पश्चिम मुखी।

दरवाजा- दरवाजा या खिड़की उत्तर या पूर्व में होना चाहिए। यह टीन या लौहे का नहीं होना चाहिए। यह दीवार के बीचोबीच स्थित होना चाहिए। अलमारी, टांड या कैबिनेट की ऊँचाई मूर्तियों के स्थान की ऊँचाई से अधिक नहीं होना चाहिए।

अन्य- धूप, अगरबत्ती या हवन कुंड पूजाघर के दक्षिण-पूर्व कोण में रखने चाहिए। सौंदर्य प्रसाधन की या कोई भी अन्य वस्तु यहां नहीं रखनी चाहिए। पूर्व दिशा की और मुख करके पूजा करनी चाहिए, दक्षिण दिशा की और मुख करके पूजा नहीं करनी चाहिए। पूजा स्थल के ऊपर भारी सामान नहीं रखना चाहिए। धन या गहने पूजाघर में नहीं रखना चाहिए।

यज्ञ-देवताओं को दी जाती है आहुति

हवन यज्ञ का छोटा रूप है। किसी भी पूजा अथवा जप आदि के बाद अग्नि में दी जाने वाली आहुति की प्रयिा हवन के रूप में प्रचलित है। यज्ञ किसी खास उद्देश्य से देवता विशेष को दी जाने वाली आहुति है। इसमें देवता, आहुति, वेदमंत्र, ऋत्विक, दक्षिणा अनिवार्य रूप से होते हैं।

प्रमुख यज्ञ-

पुत्रेष्ठि- पुत्र प्राप्ति की कामना से। महाराज दशरथ ने यही यज्ञ किया था, परिणामस्वरूप श्रीराम सहित चार पुत्र जन्मे।

अश्वमेघ- जो सौ बार यह यज्ञ कर लेता है उसे इंद्र पद की प्राप्ति हो जाती है।

राजसूर्य- राजा द्वारा किया जाता है। अपनी कीर्ति और राय की सीमाएं बढ़ाने के लिए। युधिष्ठिर ने यह यज्ञ किया था।

विश्वजीत- विश्व को जीतने के उद्देश्य से विश्वजीत यज्ञा किया जाता है। साथ ही इस यज्ञ से सभी कामनाएं पूरी करता है। राम के पूर्वज महाराज रघु ने विश्वजीत यज्ञ किया था।

सोमयज्ञ- सभी के कल्याण की कामना से सोमयज्ञ किया जाता है। आज के युग में सोमयज्ञ सर्वाधिक किए जाते हैं। इनके अलावा आजकल विष्णु यज्ञ, शतचंडी यज्ञ, रूद्र यज्ञ, गणेश यज्ञ आदि किए जाते हैं। ये सभी परंपरा में हैं।

ऐसी देव पूजा में जरूरी नहीं मंत्र या मंदिर, फिर भी मिलती है सिद्धि!

ईश्वर में विश्वास करने वाले देव पूजा के लिये देवालय जाते हैं। वहां देव उपासना के लिये मंत्र स्मरण या स्तुति पाठ भी करते हैं। अनेक लोग ऐसे हैं जो ईश्वर में विश्वास नहीं करते, जिनको नास्तिक भी कहा जाता है। वहीं, ईश्वर में विश्वास करने वाले कुछ लोग व्यस्तता के चलते देव आराधना का समय निकाल नहीं पाते।

ईश्वर उपासना से दूर रहने वाले ऐसे लोगों के लिये ही यहां बताया जा रहा है एक ऐसा व्यावहारिक सूत्र, जिसके लिये अगर आप देव उपासना के लिये कोई मंत्र न बोलें या मंदिर न भी जा पाएं, फिर भी देव पूजा का सुख और फल पाया जा सकता है।

हिन्दू धर्मग्रंथ गीता में लिखा है कि -

स्वकर्मणा तमभ्यर्च्य सिद्धिं विन्दति मानवः

जिसका सरल अर्थ है यही है कि स्वाभाविक कामों के रूप में भगवान की उपासना करते हुए मनुष्य सिद्ध बन सकता है।

संकेत यही है कि व्यावहारिक जीवन में अहं या मोह के कारण इंसान अनेक गलतियां करते हुए गलत बातों और व्यवहार के कारण दोष का भागी ही नहीं बनता, बल्कि अच्छे संग और देव स्मरण से भी दूर होता है। इसलिए इंसान सुख पाने के लिये अगर देव स्मरण न भी करें, पर अहंकार और मोह को छोड़कर अपने कर्तव्यों को पूरा करता चले तो यह भी भगवान की पूजा ही मानी गई है। दायित्वों को पूरा करना ही सफलता, तरक्की और प्रतिष्ठा देने वाला साबित होता है। सार यही है कि कर्म को ही पूजा मानकर चलने वाले व्यक्ति पर भगवान भी मेहरबान रहते हैं।

कैसे रखें बृहस्पतिवार व्रत

बृहस्पतिवार का व्रत करना गुरु को बढ़ाने का सर्वोत्तम उपाय है, इस दिन व्रत करने के बाद बृहस्पति-भगवान की पूजा पाठ और केले के पेड़ में चने की दाल और गुड़ चढाना चाहिए, इस प्रकार का व्रत करने से महिला जातक को मनवांछित वर प्राप्त करने और पुत्र के प्राप्त करने में गुरु दोषों का अन्त हो जाता है, केवल एक बार ही खाना खाया जाता है और खाने में पीला भोजन बिना नमक के सूर्यास्त से पहले लिया जाता है, पीली रोटी बनाकर उसे घी से चुपड़ कर खाना चाहिए, भूल कर भी चन्द्र के रूप में दूध और शुक्र के रूप में शर्बत या जूस या दही आदि का प्रयोग नही करना चाहिए, केले भी नहां खाने चाहिए।

अच्छी बुरी शक्तियों के बाद में पता चलते हैं परिणाम

मनुष्य के अंदर अच्छे-बुरे प्रभाव करवाने वाली शक्तियां, उस समय करवा जाती है और उसके परिणाम बाद में पता लगता है। यदि किसी मनुष्य को यह पता लग जाए कि बीमारी की अवस्था में यह भोजन नुकसान करता है तो चाहे वह भोजन कितना ही अच्छा, स्वादिष्ट एवं उसकी रुचि का हो, फिर भी बीमारी से बचने के लिए वह उस मनपसंद भोजन को त्याग ही देगा यदि। पता लगने के बाद भी वह छोड़ने की हिम्मत करेगा। तभी उस स्वादिष्ट भोजन को त्याग सकेगा। जैसे किसी ने आपको बता दिया कि आपको मधुमेह का रोग है इसमें मीठा खाना हानिकारक है अर्थात उचित नहीं है। ऐसा बीमारी का पता लगने के बाद भी यदि आपने मीठा खा ही लिया। ऐसी अवस्था में वह मीठा खाने की सुख की आदत आपको विवश करके मीठा खिला ही गयी तो खाने के बाद आपको दुखी भी होना ही पड़ेगा। इसी तरह मनुष्य अपने मन अहंकार में आकर जैसा नहीं बोलना चाहिए वैसा दूसरों से बोल जाता है। ऐसा बोलने से दूसरे वैरी बनते हैं और उस वैरी से उसको अपने अंदर शंका तथा भय बना रहता है कि कहीं वह मेरा ज्यादा नुकसान तो नहीं कर देगा आदि। ऐसा होने पर उसको रात्रि के समय नींद भी सुखपूर्वक नहीं आएगी और उसी वैरी की सोच में पड़ा-पड़ा दुखी होता रहेगा। ऐसी बंधन की अवस्था में उसको आत्मा या परमात्मा की कोई समझ नहीं पड़ती कि आत्मा तथा परमात्मा क्या है? सबके अंदर वहीं ज्ञानरूप चेतन परमात्मा चला रहा है। शरीर के कार्य भी वहीं कर रहा है अर्थात पशु, पक्षी, पेड़, पौधे और जितने भी मनुष्य हैं सबके अंदर देह के कार्य वहीं कर रहा है। नींद में भी वही श्वास को खींचता तथा छोड़ता है और हमारे अंदर अन्न को हजम करता है। यह व्यापक चेतन शक्ति सबमें समानरूप से है। परंतु समानरूप से होती हुई ऐसी छिपी हुई बैठी है कि किसी को इसका अनुभव नहीं होता। इसका अपना अनुभव आनंद रूप है। इस चेतन शक्ति का पता नहीं लगने का नाम ही अविद्या है। इस अविद्या का ही उसके ऊपर पर्दा पड़ा हुआ है जो उस ज्ञानरूप चेतन शक्ति का बोध नहीं होने देता।

प्रभु सर्वसमर्थ एवं सर्वान्तर्यामी है

कभी कभी व्यक्ति से जाने अनजाने कुत्सित कर्म भी हो जाते है, जिसका अनुभव उसे बाद में होता है। पापकर्म का सर्वप्रथम प्रायश्चित पश्चाताप है,कारण पश्चाताप होने पर वह व्यक्ति उन पापों के निराकरण करनें के लिये प्रयासरत हो जाता है । वैसे भी हमारे शास्त्रों में लिखा है कि अपने किये हुए अच्छे तथा बूरे सभी कर्मो का फल किसी न किसी रूप में जीव को भोगना ही पडता है,परंतु पश्चाताप होने पर उसके द्वारा प्रायश्चितरूप में भगवद्भजन,आराधना और प्रार्थना करने पर वे कर्मो के फल बहुत हलके हो जाते है। भगवान उसे भुगता भी देते है और भोगनेवाले को विशेष कष्ट की अनुभूति भी नहीं होती । भजन का यह भी प्रभाव हैकि वह भवितव्यता को भी शिथिल कर देंता है। बिषयरूपी सांप का जहर उतारने के लिये भगवन्नाम मंत्र और महामणि है । ये ललाट पर लिखे हुए कठिनता से मिटानेवाले बुरे लेखों को मिटा देनेवाले है । परमात्मप्रभु सर्वसमर्थ एवं सर्वान्तर्यामी है। इसके साथ ही करूणानिधान भी है। इसलिये भगवान के भजन तथा प्रार्थना से पूर्व में किये गये पापों का निवारण भी संभव है । इसकी विशेष चिंता न करके अनन्य भाव से भगवान के भजन में सलंग्न हो जाना चाहिये तथा प्रतिदिन कुछ क्षणों का समय निकालकर एकान्त में आर्तभाव से प्रार्थना के रूप में प्रभु से अपने मन की बात कहनी चाहिए । प्रभु कहते है कि यदि कोई अतिशय दुराचारी भी अनन्यभाव से मेंरा भक्त होकर मुझे भजता है तो वह साधु ही मानने योग्य है क्योकि वह यथार्थ निश्चयवाला है अर्थात उसने भलीभांति निश्चय कर लिया है कि परमेश्वर के भजन के समान अन्य कुछ भी नही है।

मन अनमोल है, ऐसे रखें इसका खयाल...

हमारे मन में हर पल सैंकड़ों विचार चलते रहते हैं। कारण मन अस्थिर है। इसकी गति ध्वनि व प्रकाश से भी तेज है। मन में जो अच्छे विचार होते हैं वे मानसिक पर्यावरण को सकारात्मक (पॉजीटिव) करते हैं तो बुरे विचार नकारात्मक (निगेटिव) बनाते हैं। ये ही बुरे विचार मानसिक प्रदूषण भी बढ़ाते हैं। आपने बुरा करने का सोचा तभी आपके मन में प्रदूषण आ गया। आप प्रदूषित हो गए। जब मन प्रदूषित होता है तो जीवन की पूरी व्यवस्था चरमरा जाती है।

किनसे है खतरा-साधारण रूप से यदि हम मानसिक प्रदूषण के बारे में सोचें तो व्यसन यानि बुरी आदतें, मोह तथा अधर्म मानसिक प्रदूषण के कारण हैं। लोभ और अहंकार भी मानसिक प्रदूषण फैलाते हैं। इस प्रदूषण से हमारे विचार और व्यवहार प्रभावित होते हैं और इसका असर हमारे सामाजिक व्यक्तित्व पर दिखाई देता है।

कैसा असर-मानसिक प्रदूषण के कारण बदले की भावना, घृणा, क्रूरता, हिंसा, व्याभिचार पैदा होता है। आज के दौर में पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव टीवी और फिल्मों के माध्यम से आम जनजीवन में फैल रहा है। इस कारण समाज में कई बुराइयां आ रही हैं। धर्म, संस्कृति और सभ्यता के प्रति हमारा नजरिया बदल रहा है। भौतिक सुख, संपन्नता के लिए नैतिकता, मानवता और चरित्र को गिराने से भी मनुष्य नहीं चूक रहा। नतीजा है कि आज चारों तरफ बदहवासी, भय, आतंक और अराजकता का माहौल है। जीवन गहरे तक नकारात्मकता (निगेटिवनेस) से भर गया है। आधुनिक समाज लगातार अहंकार और आपसी खींचतान के कारण मेल-मिलाप से दूर हो रहा है। एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भाव और संवेदनशीलता घटती जा रही है। इसका खामियाजा समाज से पहले व्यक्ति भुगतता है क्योंकि समाज तो व्यक्तियों का ही समूह है।

कैसे बचें-कहते हैं हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा। हम बदलेंगे, जग बदलेगा। हम समाज की बुराइयों और सामाजिक प्रदूषण पर बात करते हैं लेकिन अपने मानसिक प्रदूषण को दूर करने में चूक जाते हैं। सच तो यह है हमें ख्याल भी नहीं आता कि हमारे बुरे विचारों से हमारा मन प्रदूषित हो रहा है। सबसे पहले इसका एहसास करें फिर अच्छे, सकारात्मक विचारों को आमंत्रित करें और सबसे बड़ा नकारात्मक विचारों को अपने मन से दूर करें।

भगवान की इच्छा में अपनी इच्छा माने

साधक के मन में इस बात का भारी उत्साह एवं चाव होना चाहिए कि हम केवल भगवान की अनन्य शरण में ही रहे। इससे ज्यादा हमारा सौभाग्य और क्या हो सकता है कि हमारे जीवन में वही हो जो भगवान चाहते है। इससे हमारा परम कल्याण निश्चित है। यहां पर एक बात और ध्यान देने की है कि अगर हम न चाहे तो भी होगा वहीं जो भगवान चाहते है। हम अपनी पूरी क्षमता, साधन, योग्यता की उपयोग करके भी भगवान के इच्छा अनुरूप होने वाली घटना, परिस्थिति को रोक नहीं सकते, उसमें परिवर्तन नहीं कर सकते। भगवान की इच्छा एवं विधान में बाधा उत्पन्न करने से हमारा कल्याण नहीं होगा अपितु पतन ही होगा। अतः हमरा परम कल्याण इसी में है कि हम भगवान की इच्छा में अपनी इच्छा मिलाकर उनके विधान के अनुसार होने वाले को निर्बाध होने दे, उसको बदलने की मांग भगवान से न करें। सांसारिक परिस्थितियों का तो महत्व ही क्या है? पल-पल में परिवर्तन होने वाली इन परिस्थितियों की कामना में फँसकर हम अपने अनंत जन्म बिगाड़ते आये है। अतः कम से कम इस जन्म में तो भगवान की इच्छा में अपनी इच्छा मिलाकर इसका परम प्रभाव देख ले। दृढ़ निश्चिय कर लेना चाहिए कि मारजाना स्वीकार है किंतु कोई कामना कर अपनी भक्ति में कलंक नहीं लगायेंगे। अपने आपको भगवान के श्रीचरणों में पूरी तरह समर्पित कर देना चाहिए। हम केवल भगवान के ही है, अतः अपने ऊपर केवल भगवान का ही निरंकुश अधिकार मानना चाहिए। अपनी वस्तु को भगवान चाहे जैसे रखे इसमें हमें क्यों आपत्ति होनी चाहिए? निश्चय ही ये भावोर्मियां साधना की बहुत उंची स्थिति की सूचक है, किंतु इनको आदर्श मानकर तदनुसार जीवन बनाने की चेष्टा करने से साधक भगवान की कृपा से बहुत शीघ्र भारी आध्यात्मिक लाभ उठा सकते है और भगवान का प्रेम प्राप्त कर सकता है। भगवान का आश्रय लेकर प्रयत्न करने से कुछ भी कठिन या असंभव नहीं है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

येदियुरप्पा दिल्ली में, अमित शाह से मुलाकात करेंगे

नयी दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा रविवार सुबह यहां पहुंचे और उन्होंने कहा कि वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर राज्य के राजनीतिक परिदृश्य तथा आगामी लोकसभा उपचुनाव और विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार तय करने पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री ने हालांकि यह नहीं बताया कि क्या दोनों नेताओं के बीच राज्य में मंत्रिमंडल में बहुप्रतीक्षित फेरबदल पर भी चर्चा होगी। येदियुरप्पा ने दिल्ली पहुंचने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैं कर्नाटक में राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करूंगा।''

उन्होंने कहा, ''हाल ही में हमने बहुत व्यापक पैमाने पर ग्राम पंचायत चुनाव जीता। एक महीने के भीतर, हम दो संसदीय उपचुनाव और एक विधानसभा उपचुनाव का सामना करने जा रहे हैं। हमें उम्मीदवार तय करने हैं। हम इन सभी मुद्दों पर अमित शाह और अन्य प्रमुख नेताओं के साथ चर्चा करेंगे।'' भाजपा नेता येदियुरप्पा ने कहा कि गृह मंत्री के साथ मुलाकात का समय तय है। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से भी मुलाकात का प्रयास करेंगे। राज्य में कोविड-19 के प्रसार पर रोक के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''कर्नाटक में, कोविड-19 की स्थिति नियंत्रण में है। हम पूरी सावधानी बरत रहे हैं।

दिल्ली में कड़ाके की ठंड, न्यूनतम तापमान गिरकर 7.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

नयी दिल्ली। बर्फ से ढके पश्चिमी हिमालय से मैदानी इलाकों कीओर चलने वाली सर्द हवाओं के कारण राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में न्यूनतम तापमान गिर कर 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गयी है जो सामान्य से अधिक है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने बताया कि 14 जनवरी तक पारे में पांच से छह डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है जो यह सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक है। आईएमडी के मुताबिक,दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जो सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिक था। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री और बृहस्पतिवार को 14.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। यह पिछले चार साल में जनवरी में सबसे ज्यादा है। पश्चिमी विक्षोभों के कारण राष्ट्रीय राजधानी में आसमान पर लगातार बादल छाये हुए हैं जिस वजह से से तीन जनवरी से ही न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा दर्ज किये जा रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि बर्फ से ढके पहाड़ों से ठंडी हवाएं शनिवार से मैदानी इलाकों की ओर चलनी शुरू हो गई हैं जिससे न्यूनतम तापमान में गिरावट आने लगी है।

विश्व व्यवस्था को और अधिक न्यायपूर्ण तथा निष्पक्ष बनाएगा आत्मनिर्भर भारत अभियान: राष्ट्रपति

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' विश्व व्यवस्था को और अधिक न्यायपूर्ण एवं निष्पक्ष बनाएगा तथा यह व्यापक सहयोग और शांति को बढ़ावा देगा। उन्होंने 16वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2021 के विदाई सत्र को वीडियो लिंक के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' के विचार का मतलब स्वकेंद्रित प्रबंध करने तथा देश को अपने में सीमित करने से नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा, ''यह स्व-विश्वास, स्व-प्राचुर्य का नेतृत्व करने के बारे में है। हम वस्तुओं की उपलब्धता और सेवाओं को मजबूत कर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों को कम करने की दिशा में योगदान करना चाहते हैं।'' कोविंद ने कहा, ''भारत का 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' विश्व व्यवस्था को और अधिक न्यायपूर्ण एवं निष्पक्ष बनाएगा तथा यह व्यापक सहयोग और शांति को बढ़ावा देगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत की वैश्विक आकांक्षाओं को समझने में हमारे समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा समुदाय विश्व में हमारी झलक है तथा वैश्विक मंच पर वह भारत के हितों का प्रणेता है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि प्रवासी भारतीय समुदाय हमेशा भारत की मदद के लिए आगे आया है, चाहे वह भारत की चिंता से संबंधित अंतरराष्ट्रीय मुद्दों का विषय हो या फिर भारत की अर्थव्यवस्था में मदद करने से जुड़ा विषय हो। उन्होंने कहा कि 1915 में आज के दिन महानतम प्रवासी भारतीय महात्मा गांधी भारत लौटे थे। कोविंद ने कहा, ''उन्होंने (गांधी) हमारे सामाजिक सुधारों तथा स्वतंत्रता आंदोलन को एक व्यापक आधार दिया, और अगले तीन दशकों के दौरान उन्होंने भारत में कई बुनियादी तौर-तरीकों में बदलाव कर दिया।''

बिहार: उमेश कुशवाहा बने जदयू के नए प्रदेश अध्यक्ष, पार्टी ने कहा- हम एमडीए के साथ मजबूती से खड़े हैं

नई दिल्ली। राज्य परिषद एवं राज्य कार्यकारिणी की बैठक के बाद जदयू के संगठन में बड़ा बदलाव हुआ है। वरिष्ठ नेता वशिष्ठ नारायण सिंह की जगह अब उमेश कुशवाहा बिहार में पार्टी के नए अध्यक्ष होंगे। इस बात की जानकारी मुंगेर से सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह ने दी। एक दिन पहले ही स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं के कारण वशिष्ठ नारायण सिंह ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अब नए प्रदेश अध्यक्ष के रुप में उमेश कुशवाहा को जिम्मेदारी दे दी गई है। राजीव रंजन सिंह ने यह भी कहा कि हमारी पार्टी और हमारे नेता नीतीश कुमार को लेकर कई तरीके के कयास लगाए जा रहे हैं लेकिन हम स्पष्ट करना चाहेंगे कि हमारी पार्टी एनडीए के साथ मजबूती से खड़ी है।

कार्रवाई से हो रही भूमाफिया के रहनुमाओं को परेशानी: योगी आदित्यनाथ

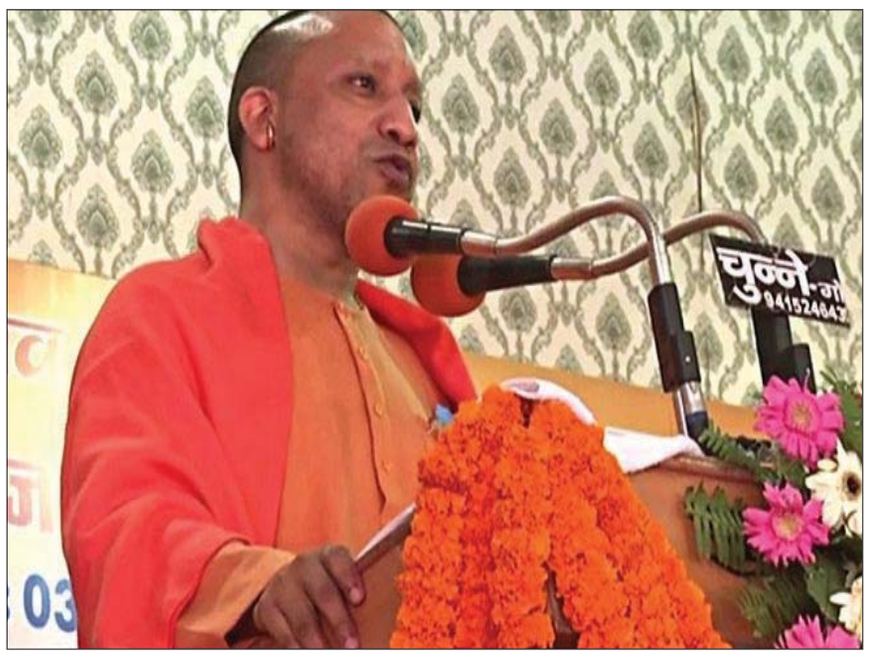

फर्रूखाबाद (उप्र)। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भू-माफियाओं के खिलाफ अपनी सरकार की कार्रवाई को पूरी तरह जायज करार देते हुए आरोप लगाया कि जबरन कब्जा की गई गरीबों की जमीन को मुक्त कराए जाने से इन माफिया तत्वों के रहनुमाओं को परेशानी हो रही है। योगी ने रविवार को यहां 'मुख्यमंत्री आरोग्य मेले' का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा, ''आज अगर किसी के अंदर डर समाया हुआ है तो वह उन अपराधियों, माफियाओं और गैंगेस्टरों में है, जिन्होंने समाज को लूटा है। प्रदेश के धन का बंदरबांट करने का प्रयास किया है। वे लोग आज भयभीत हैं। गले में तख्ती लटकाए घूम रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज प्रदेश में एक संकल्प के साथ सरकार चल रही है। पहले गरीबों और व्यापारियों की जमीन पर माफिया कब्जा करते थे। आज जमीन माफियाओं की छातियों पर बुलडोजर चल रहे हैं तो अपराधी तो भाग रहे हैं लेकिन उनके रहनुमाओं को भी परेशानी हो रही है।''

योगी ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, ''इन रहनुमाओं को तब परेशानी नहीं होती थी जब किसी गरीब, किसी व्यापारी या किसी आम आदमी की जमीन पर भूमाफिया या अपराधी कब्जा करते थे? उनको परेशानी तब हो रही है जब अपराधियों और माफियाओं से गरीबों और किसानों की संपत्तियों को मुक्त कराया जा रहा है।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''आज अपराधियों के रहनुमाओं के दिल में इस बात की छटपटाहट है कि उनके गुर्गों की छातियों पर सरकार का बुलडोजर चल रहा है। उन्हें डर है कि कहीं यह बुलडोजर उनकी और न घूम जाए।'' हालांकि योगी ने अपने भाषण में किसी का नाम नहीं लिया लेकिन माना जा रहा है कि उनका इशारा सपा अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के गत शुक्रवार को बांदा में दिए गए बयान की तरफ था।

इसे भी पढ़ें- उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण से 12 और मौतें, 646 नये संक्रमित मिले

अखिलेश ने बांदा में कहा था, ''उत्तर प्रदेश में यह जो बिल्डिंग गिराने का सिलसिला चल रहा है। आखिर किस-किस का नक्शा पास है? पुराने लोग जितने हैं उनमें से किसी का नक्शा पास नहीं है। हमारे दादा परदादा ने जो घर बनाया, हम उसमें रह रहे हैं। उस समय तो नक्शा पास करने वाला कोई प्राधिकरण भी नहीं था।'' उन्होंने सरकार पर तंज करते हुए कहा था, ''इन मकानों को जब चाहे तब तोड़ दो। कितना गैरकानूनी बना होगा, यह आप से बेहतर कौन जानेगा। तो केवल एक, दो या तीन आदमियों को चिन्हित करके उनके मकान तोड़ना... अगर यही परंपरा चलेगी तो कल जब दूसरी सरकार आएगी तो चिन्हित करके बुलडोजर आपकी तरफ ले जाएगी। आज जो अधिकारी उनके लिए काम कर रहे हैं, वह कल सैल्यूट मार कर दूसरी सरकार के लिए काम करने लगेंगे।

दुनिया को भारत ने सिखाया आपदा में अवसर तलाशना: गजेंद्र सिंह शेखावत

नई दिल्ली/कोलकाता। (एजेंसी)

'आज जब पूरा विश्व कोरोना महामारी का सामना कर रहा है, तो इस दुनिया में सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने कहा कि हम इस आपदा को अवसर में बदलेंगे। सच्चे अर्थों में भारत और भारतीयता के प्रति यह विश्वास और स्वाभिमान की भावना है।'' यह विचार केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय, कोलकाता द्वारा रविवार को आयोजित विवेकानंद सेवा सम्मान समारोह में व्यक्त किये। इस वर्ष यह सम्मान कोलकाता के प्रख्यात समाजसेवी श्री बनवारी लाल सोती को दिया गया है। समारोह में भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी मुख्य वक्ता के तौर पर एवं वरिष्ठ आयकर सलाहकार सज्जन कुमार तुल्स्यान मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि देश आज जिस मुकाम पर खड़ा है, वहां हमें हर पल भारतीय होने पर गर्व महसूस होता है। लेकिन इस मुकाम को पाने का रास्ता स्वामी विवेकानंद जैसे प्रेरणा पुरुषों ने दिखाया है। उन्होंने कहा कि भारतीयों को इतिहास से सीखने और समझने की आवश्यकता है। और जब हम इतिहास को पढ़ेंगे, तो हम पाएंगे कि स्वामी विवेकानंद जैसे लोगों के ऋण को चुका पाना बेहद मुश्किल है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जिस भारत की बात करते थे, उस भारत के निर्माण का संकल्प समाज के हर वर्ग को लेना होगा और इस संकल्प में युवाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी होगी। इस अवसर पर आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि भारत का भारत से साक्षात्कार करवाने में अगर कोई व्यक्ति सफल हो सका है, तो वो सिर्फ स्वामी विवेकानंद हैं। उन्होंने समाज को नवाचार से परिचित कराया। स्वामी विवेकानंद ने मानव समाज की सेवा को महत्त्वपूर्ण स्थान दिया। वे शिक्षा, स्त्री पुनरुद्धार तथा आर्थिक प्रगति के पक्ष में थे। रूढ़िवादिता, अंधविश्वास, निर्धनता और अशिक्षा की उन्होंने हमेशा आलोचना की।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि कुछ प्रतिबद्ध लोग देश का जितना भला कर सकते हैं, उतना भला कोई बड़ी भीड़ एक पूरी सदी में भी नहीं कर सकती। इसलिए युवाओं को सफलता का सूत्र देते हुए विवेकानंद कहते थे कि कोई एक विचार लो और उसे अपनी जिंदगी बना लो। उसी के बारे में सोचो और सपने में भी वही देखो। उस विचार को जियो। सफलता का रास्ता यही है। इस दुनिया में आए हो तो अपनी छाप छोड़कर जाओ। समारोह का संचालन डॉ. तारा दूगड़ ने किया। स्वगत भाषण आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी ने दिया एवं श्रीमती दुर्गा व्यास ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

महाराष्ट्र सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस, राज ठाकरे की सुरक्षा घटाई

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेन्द्र फडणवीस और उनके परिवार, उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे की सुरक्षा घटा दी है, वहीं भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख चंद्रकांत पाटिल की सुरक्षा वापस ले ली है। राज्य भाजपा प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने इसे '' बदले की राजनीति'' करार दिया, वहीं फडणवीस ने कहा कि इससे यात्रा करने और लोगों से मिलने की योजना पर असर पड़ेगा।

आठ जनवरी को जारी सरकारी अधिसूचना के अनुसार फडणवीस को अब 'जेड-प्लस' श्रेणी के बजाए 'एस्कॉर्ट के साथ वाई-प्लस श्रेणी' की सुरक्षा मिलेगी। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी अमृता फडणवीस और बेटी दिविजा की सुरक्षा 'एस्कॉर्ट के साथ वाई-प्लस' श्रेणी से घटा कर 'एक्स' श्रेणी कर दी गई है। उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक को अब 'वाई-प्लस' के बजाए 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी। मनसे प्रमुख की सुरक्षा 'जेड' श्रेणी से घटा कर 'एस्कॉर्ट के साथ वाई प्लस' श्रेणी की कर दी गई है। भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे, राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रकांत पाटिल और पार्टी के वरिष्ठ नेता सुधीर मुनगंटीवार की सुरक्षा वापस ले लिए गई है। राणे के पास 'वाई-प्लस' श्रेणी की सुरक्षा थी।

इसके अलावा राज्य लोकायुक्त एम एल टाहिलियानी की सुरक्षा 'जेड' श्रेणी से घटाकर 'वाई' श्रेणी की कर दी गई है। अधिसूचना के अनुसार सरकार ने दो लोगों की सुरक्षा बढ़ाई है, 11 की सुरक्षा कम की गई है, 16 लोगों की सुरक्षा वापस ली गई है, वहीं 13 नए लोगों को सुरक्षा दी गई है। सुरक्षा प्राप्त करने के लिए नए लोगों में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार, और युवा सेना के सचिव वरुण सरदेसाई शामिल हैं। सरदेसाई मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे के रिश्तेदार हैं। दोनों को 'एक्स' श्रेणी की सुरक्षा दी गई है।

प्रौढ़ शिक्षा की नयी योजना को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप बनाएगी सरकार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सरकार 2030 तक शत-प्रतिशत साक्षरता के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रौढ़ शिक्षा की नयी योजना शुरू करने जा रही है जिसमें नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न सुझावों एवं सिफारिशों को लागू किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि यह नयी योजना वित्त वर्ष 2021-26 के दौरान लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना को लेकर विचार विमर्श की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, हालांकि अभी योजना का नाम तय नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि प्रौढ़ शिक्षा की नयी योजना को लेकर व्यय वित्त समिति (ईएफसी) के नोट को अंतिम रूप देने प्रक्रिया चल रही है।

सरकार ने प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के तहत 'पढ़ना लिखना अभियान' शुरू किया है जिसके तहत 15 वर्ष या इससे अधिक उम्र के लोग पढ़ाई कर साक्षर हो सकें। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि 'पढ़ना लिखना अभियान' 31 मार्च 2021 तक के लिए है। अधिकारी ने कहा कि इस बीच नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रौढ़ शिक्षा को लेकर कई सिफारिशें की गई हैं, ऐसे में नयी योजना में इन सिफारिशों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नयी योजना को लेकर मंजूरी की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है और इस विषय पर एक सलाहकार समिति विचार विमर्श कर रही है। नयी योजना को 'पढ़ना लिखना अभियान' से जोड़कर आगे बढ़ाया जाएगा और इसमें जीवन कौशल एवं अन्य तत्वों का समावेश किया जायेगा। इसमें महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और अन्य वंचित समूहों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अधिकारियों का कहना है कि इसमें उन जिलों को प्राथमिकता होगी जहां वर्तमान जनसंख्या के अनुसार महिलाओं की साक्षरता दर 60 प्रतिशत से नीचे है। इस योजना में जागरूकता अभियान के तहत गांव, पंचायत, प्रखंड और शहरों में गोष्ठियां होंगी और इसमें पंचायती राज संस्थान, महिला मंडल, शैक्षणिक संस्थान, स्वयंसेवी संगठनों को शामिल किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि इसके तहत पाठ्य सामग्री एवं पाठ्यक्रम बनाने का काम राज्यों का होगा। लोगों के साक्षर बनाने के साथ समाचारपत्र का शीर्षक पढ़ने, यातायात चिह्न समझने, आवेदन पत्र भरने, चिट्ठी लिखने-पढने, दो अंकों का जोड़, घटाव, गुणा, भाग का ज्ञान दिया जाएगा। इसके तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान (एनआईओएस) साक्षरता मूल्यांकन के विषय पर नजर रखेगी।

ममता बनर्जी का ऐलान, बंगाल में सबको फ्री में मिलेगा कोरोना वैक्सीन

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोरोना वैक्सीन को लेकर बड़ा ऐलान किया है। ममता बनर्जी ने घोषणा करते हुए कहा कि मुझे खुशी हो रही है कि हमारी सरकार बिना किसी लागत के राज्य के सभी लोगों को कोरोना का वैक्सीन की सुविधा देने की व्यवस्था कर रही है। आपको बता दें कि देश में 16 जनवरी से कोविड-19 टीकारकरण अभियान शुरु होगा। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक उच्च स्तरीय बैठक में देश में कोरोना महामारी की वर्तमान स्थिति और टीकाकरण के मद्देनजर राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की तैयारियों का जायजा लेने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शनिवार को की गई।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस संक्रमण से 20 और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की कुल संख्या शनिवार को बढ़कर 9,922 हो गई। इसके अलावा संक्रमण के 787 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 5,59,886 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने एक बुलेटिन में यह जानकारी दी। बुलेटिन में कहा गया है कि बीते 24 घंटे के दौरान 978 लोग संक्रमण से उबरे हैं, जिसके बाद रोगियों के ठीक होने की दर सुधरकर 96.79 प्रतिशत हो गई है। राज्य में कुल 5,41,930 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं। राज्य में अब भी 8,034 लोग वायरस से सक्रमित हैं।

बर्ड फ्लू की दस्तक: चिकन के गिरे दाम, कम आमदनी वाले लोग ही खरीद रहे हैं मुर्गा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली में बर्ड फ्लू की दस्तक के बीच 'चिकन' के दामों में कमी आने से एक तरफ कारोबारी परेशान हैं तो वहीं दूसरी तरफ कम आदमनी वाले कमजोर वर्ग के लिए यह बीमारी किसी 'सौगात' से कम नहीं है। मुर्गे-मुर्गियों के दाम करीब-करीब आधे हो जाने के बाद इनकी ज्यादातर खपत अब कम आमदनी वाले वर्ग में ही रह गई है। देश में केरल, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश समेत सात राज्यों में बर्ड फ्लू के मामले सामने आए हैं। इन राज्यों में पक्षियों के संक्रामक रोग की रोकथाम के लिए हजारों परिंदों को मार दिया गया है। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कुछ इलाकों में कौए मृत मिले हैं। गाजीपुर मुर्गा मंडी को 10 दिन के लिए बंद कर दिया गया है। पुरानी दिल्ली में मुर्गे के मांस की दुकान चलाने वाले अतीक कुरैशी ने कहा कि दो-तीन दिन पहले तक मुर्गे का मांस 190 से 200 रुपये प्रति किलोग्राम था जो अब 110-120 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन की वजह से सात महीने दुकान बंद थी और अब यह वायरस आ गया है जिससे मांस की बिक्री में कमी आई है।

कुरैशी ने बताया कि मांस की बिक्री कम हुई है लेकिन मुर्गे के दाम कम होने से कम आमदनी वाले और गरीब लोग इसकी खरीदारी ज्यादा कर रहे हैं। जामा मस्जिद क्षेत्र में मुर्गे का कारोबार करने वाले इकबाल का भी यही कहना है। उन्होंने कहा, पढ़े-लिखे और संपन्न लोग 'चिकन' के सेवन से बच रहे हैं जबकि कम आमदनी वाले ऐसे लोग जो ऊंची कीमत की वजह से मुर्गा नहीं खरीद पाते थे या कम मात्रा में खरीदते थे, वे अब दो-ढाई किलोग्राम तक खरीद रहे हैं। इकबाल ने कहा कि मुर्गे के दाम बीते दो-तीन दिन में ही काफी गिर गए है। जहां जिंदा मुर्गा 120-125 रुपये किलोग्राम की दर से बिक रहा था, वहीं अब यह 55 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया है। लक्ष्मीनगर के रमेश पार्क में रहने वाली कहकशा ने कहा, हम 'चिकन' को अच्छी तरह से धोकर गर्म मसाले लगाते हैं और उसे कुकर में 35-40 मिनट तक अच्छी तरह से पकाते हैं, जिससे अगर गोश्त में वायरस होगा भी तो मर जाएगा। डॉक्टरों की राय भी कुछ ऐसी ही है। क्यूआरजी सेंट्रल अस्पताल में गैस्ट्रोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ संजय कुमार ने पीटीआई-से कहा कि अच्छी तरह से पके हुए 'चिकन' को खाने में कोई हर्ज नहीं है। अगर 'चिकन' में संक्रमण है भी तो वह अच्छी तरह से पकने पर खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अधपका मांस नहीं खाना चाहिए क्योंकि इससे संक्रमण फैल सकता है। डॉ. कुमार ने कहा कि संक्रमण संक्रमित पक्षी की लार या बलगम या मल के संपर्क में आने से फैलता है। उधर, 'चिकन' कारोबार से जुड़े लोग बर्ड फ्लू की आहट और दाम गिरने से परेशान हैं। दिल्ली में गैर शाकाहारी खाने के लिए पुरानी दिल्ली का मटिया महल का इलाका मशहूर हैं। यहां करीम होटल और अल जवाहर जैसे होटल हैं जहां देश-विदेश से सैलानी ही नहीं, बल्कि सियासतदां भी मटन और 'चिकन' नौश फरमाने आते हैं। मटिया महल मार्केट एसोसिएशन के प्रमुख और अल जवाहर होटल के मालिक मोहम्मद अकरम कुरैशी ने बताया कि

कारोबार बहुत मंदा है। उन्होंने कहा, ''कोरोना वायरस की वजह से लगे लॉकडाउन के कारण होटल व रेस्तरां सात-आठ महीने लगभग बंद रहे। कोरोना वायरस की वजह से विदेशी सैलानी भी नहीं आ रहे हैं। घरेलू पर्यटक भी न के बराबर हैं। जो भी ग्राहक हैं, वे स्थानीय ही हैं। लेकिन अब बर्ड फ्लू आ गया है जिससे ग्राहकों की संख्या और कम होगी।'' कुरैशी ने कहा कि असल स्थिति आने वाले दिनों में मालूम हो जाएगी। उर्दू बाजार में 'फ्राइड-चिकन'' का कारोबार करने वाले दानिश ने बताया कि नए साल के आगाज़ में कारोबार ने कुछ रफ्तार पकड़ी थी लेकिन पिछले दो-तीन दिन में काम फिर मंदा हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले 30-35 मुर्गे बिक जाते थे लेकिन अब मुश्किल से 10-11 बिक रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)